vkj- ,u- vkb- u- UPHIN/2010/32566 Mkd- iath;u- l[;k& SSP/LW/NP-311

अद्भुत समाचार

निष्पक्ष एवं निर्भीक हिन्दी साप्ताहिक

हर ख़बर पर पैनी नज़र

o"k % 13 vd % 02 y[kuÅ] x:okj 14 vily 2022 l 20 vily] 2022 rd i"B&8 eY; % ,d :i;k

मुख्यमंत्री योगी खुद करेंगे बुंदेलखंड में प्रवास

लखनऊ। वर्ष २०२४ तक उत्तर प्रदेश के हर घर में नल से जल पहुंचाने के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के संकल्प को पूरा करने के लिए योगी आदित्यनाथ सरकार ने कमर कस ली है। नमामि गंगे और ग्रामीण जलापूर्ति विभाग की योजनाओं की समीक्षा करते हुए मुख्यमंत्री योगी आादित्यनाथ ने कहा कि जल जीवन मिशन के इस लक्ष्य को पूरा करने के लिए सरकार प्रतिबद्ध है। पेयजल परियोजनाओं के कार्यों की समीक्षा करने के लिए जल्द ही वह खुद बुंदेलखंड में प्रवास करेंगे।लोकभवन में बुधवार को आयोजित बैठक में सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि बुंदेलखंड और विंध्य क्षेत्र की पेयजल परियोजनाओं को तय समय में पूरा किया जाए। बुंदेलखंड के लिए अपना प्रवास तय करते हुए निर्देश दिया कि जल शक्ति मंत्री, विभाग के राज्य मंत्री, अधिकारी और जल निगम के वरिष्ठ अभियंता इस सप्ताह से बुंदेलखंड क्षेत्र और विंध्य क्षेत्र में चल रही पेयजल परियोजनाओं की भौतिक समीक्षा करें।उन्होंने कहा कि ग्रामीण जलापूर्ति विभाग, नगर विकास विभाग और ग्राम्य विकास विभाग के साथ समन्वय बनाकर पेयजल और स्वच्छता संबंधी काम करें।

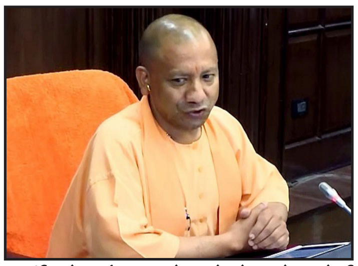

गर्मी के मौसम में लोगों को कोई दिक्कत न हो, इसके लिए जलापूर्ति की नियमित आनलाइन निगरानी की जाए। सभी परिषदीय विद्यालयों और आंगनबाड़ी केंद्रों में शुद्ध पेयजल की व्यवस्था होनी चाहिए।सीएम योगी आदित्यनाथ ने बुंदेलखंड और विंध्य क्षेत्र की पेयजल परियोजनाओं की जिलेवार प्रगति की समीक्षा करते हुए निर्देशित किया कि पेयजल आपूर्ति, जल प्रबंधन और जल संरक्षण के कार्यों की मंडल व जिला स्तर पर नियमित समीक्षा की जाए। जल जीवन मिशन के तहत हर घर नल योजना द्वारा लोगों के घरों में पाइप द्वारा शुद्ध पेयजल पहुंचाया जा रहा है। यह बदलते उत्तर प्रदेश की बेहतर तस्वीर है। निर्धारित समय में अधिक से अधिक घरों में जल कनेक्शन के काम को पूरा किया जाए।उन्होंने जल प्रबंधन एवं संरक्षण के लिए जागरुकता कार्यक्रमों पर जोर देते हुए कहा कि विशेष रूप से दिमागी बुखार, आर्सेनिक व फ्लोराइड प्रभावित क्षेत्रों में प्रशिक्षण और जागरुकता के कार्यक्रम चलाए जाएं। ग्राम पंचायत स्तर पर गठित जल समिति को सक्रिय करते हुए जलापूर्ति के लिए ग्राम पंचायतों की जवाबदेही तय की जाए।

उत्तर प्रदेश में अराजकता का कोई स्थान नहीं : योगी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को कहा कि राज्य में अराजकता का कोई स्थान नहीं है और पिछले दिनों रामनवमी के जश्न के दौरान कहीं कोई विवाद की स्थिति पैदा नहीं हुई। मुख्यमंत्री ने मंगलवार को यहां एक कार्यक्रम में कहा अभी परसों रामनवमी की तिथि थी... २५ करोड़ आबादी उप्र में रहती है, ८०० स्थानों पर रामनवमी की शोभायात्रा भी थी और जुलूस भी निकाले गए और साथ–साथ इस समय रमजान का महीना भी चल रहा है और रोजा इफ्तार के कार्यक्रम भी रहे होंगे, मगर कहीं भी कोई तू तू–मैं मैं नहीं हुई, दंगे फसाद की बात तो दूर है। उन्होंने कहा इससे जाहिर होता है कि उत्तर प्रदेश में अब विकास की नई सोच पैदा हो गई है और अराजकता दंगों और अफवाहों का कोई स्थान नहीं है। रामनवमी पर उत्तर प्रदेश ने इसे साबित भी किया है। योगी का यह बयान पिछले दिनों मध्यप्रदेश और गुजरात में रामनवमी के अवसर पर निकाले गए जुलूस के दौरान दो समुदायों के बीच हुई हिंसा की घटनाओं के मद्देनजर महत्वपूर्ण माना जा सकता है। मध्यप्रदेश के खरगौन में रामनवमी के जुलूस के दौरान कथित रूप से भड़काऊ हरकत होने के बाद जुलूस पर पथराव हुआ था, जिसके बाद वहां हिंसा फैल गई थी। इस मामले में अब तक करीब १०० लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है। इसी तरह गुजरात के हिम्मतनगर कस्बे में भी गत रविवार को रामनवमी के जश्न के दौरान हिंसा हुई थी।

दिल्ली में कोरोना वायरस के मामलों में उछाल, २९९ नए केस सामने आए

नयी दिल्ली। दिल्ली में बुधवार को कोरोना वायरस संक्रमण के २९९ नए मामले सामने आए और संक्रमण दर २.४९ प्रतिशत रही। स्वास्थ्य विभाग द्वारा साझा किये गए आंकड़ों में यह जानकारी दी गई है। दिल्ली में कोविड–१९ संक्रमण दर एक सप्ताह में ०.५ प्रतिशत से बढ़कर २.७० प्रतिशत हो गई है। मंगलवार को चिकित्सकों ने कहा कि था कि दैनिक संक्रमण दर कम है, लिहाजा घबराने वाली स्थिति नहीं है। हालांकि उन्होंने ऐहतियात न बरतने को लेकर आगाह किया था। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार बुधवार को संक्रमण के २९९ नए मामले सामने आए, जो सोमवार को आए १३७ मामलों की तुलना में कहीं अधिक हैं। मंगलवार को स्वास्थ्य बुलेटिन जारी नहीं किया गया था। सोमवार को संक्रमण की दर २.७० प्रतिशत रही थी, जो दो महीने में सबसे अधिक थी। उससे पहले पांच फरवरी को संक्रमण दर २.८७ प्रतिशत रही थी।

बुलेटिन में कहा गया है कि बुधवार को दिल्ली में संक्रमण के मामलों की संख्या बढ़कर १८,६६,३८० हो गई है। मृतकों की संख्या २६,१५८ है। दिल्ली में पिछले दिन १२,०२२ नमूनों की कोविड–१९ जांच की गई।

यूपी के सीतापुर में बजरंग मुनि गिरफ्तार, महिलाओं के खिलाफ किया था अभद्र भाषा का इस्तेमाल

लखनऊ। मुस्लिम महिलाओं पर विवादित बयान देने के आरोप में महंत बजरंग मुनि दास को गिरफ्तार कर लिया गया है। इस बात की जानकारी सीतापुर एसपी आरपी सिंह ने दी।महंत बजरंग मुनि दास को १४ दिन की न्यायिक हिरासत में जेल

भेज दिया गया है। हालांकि नफरत भरा भाषण और "बलात्कार की धमकी" देने के मामले में बजरंग मुनि ने पुलिस द्वारा उनके खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने के कुछ घंटों बाद माफी मांग ली थी। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे एक वीडियो में मुनि को अपने अपमानजनक बयानों के लिए महिलाओं से माफी मांगते हुए सुना गया। वीडियो में वह कहते हैं, मेरे बयान को गलत तरीके से पेश किया गया है। मैं इसके लिए बिना शर्त माफी मांगता हूं। इससे पहले मुख्य विपक्षी दल समाजवादी पार्टी (सपा) ने सीतापुर जिले में मुस्लिम महिलाओं से बलात्कार की खुली धमकी देने वाले एक कथित महंत को अब तक गिरफ्तार नहीं किए जाने पर सवाल उठाए थे। सपा ने अपने आधिकारिक हैंडल से किए गए ट्वीट में कहा, भाईचारे और सद्भावना की सबसे बड़ी दुश्मन भाजपा सरकार। सीतापुर में धर्म विशेष की महिलाओं को पुलिस की मौजूदगी में रेप की धमकी देने वाले आरोपी की अब तक गिरफ्तारी न होना घोर निंदनीय है। पुलिस अब तक क्यों है खाली हाथ ? जवाब दे सरकार। पार्टी ने इसी ट्वीट में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से पूछा है कि आखिर ऐसी भड़काऊ टिप्पणी करने वाले महंत पर बुलडोजर कब चलेगा। आपको बता दें कि उत्तर प्रदेश के सीतापुर में एक महंत का विवादित और भड़काऊ वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो था। उन्होंने कुछ ऐसा बयान दे दिया था जिसके बाद वह चौतरफा घिरे हुए नजर आ रहे हैं। अपने बयान में उन्होंने कहा है कि खैराबाद में ८०: मुसलमान, २०: हिंदू हैं। ऐसे में हिंदुओं की स्थिति बताने की जरूरत नहीं है। हमारी कलश यात्रा के दौरान, वे करौली जैसी घटना को दोहराने के लिए लाठी–पत्थरों से तैयार किए गए थे, लेकिन पुलिस के कारण ऐसा नहीं हुआ। अपने बयान में उन्होंने कहा कि अगर वे हमारी बेटियों को परेशान करेंगे तो उनकी बेटियां भी सुरक्षित नहीं रहेंगी। मुझे झूठे आरोपों के तहत गढ़ने के लिए वीडियो को तोड़–मरोड़ कर पेश किया गया।

यूपी को मिली सर्वश्रेष्ठ झांकी की ट्राफी

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के सुझाव पर इस वर्ष नई दिल्ली में गणतंत्र दिवस की परेड में उत्तर प्रदेश की श्ओडीओपी

और काशी विश्वनाथ धामश विषय पर केंद्रित झांकी को प्रथम पुरस्कार मिला है। बुधवार को पुरस्कार स्वरूप प्राप्त ट्राफी और प्रशस्ति पत्र सीएम योगी आदित्यनाथ को सौंपा गया। देश के ७३वें गणतंत्र दिवस पर राजपथ पर निकली झांकियों में यूपी की झांकी ने लोगों का ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया था।नई दिल्ली में गणतंत्र दिवस की परेड में उत्तर प्रदेश की झांकी को सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग ने प्रस्तुत किया था। सीएम योगी ने राष्ट्रीय स्तर का यह प्रतिष्ठित सम्मान प्राप्त किये जाने पर जनता को बधाई दी है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय राजधानी में उत्तर प्रदेश की झांकी को प्रथम पुरस्कार मिलने से हमारे जनपदों के विशिष्ट उत्पादों के साथ–साथ राज्य में सांस्कृतिक एवं धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा।

सम्पादकीय

भारत का हित कौन बेहतर समझता है..?

अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से कहा कि रूस से तेल खरीदना भारत के हित में नहीं है। प्रधानमंत्री मोदी की तरफ से इस पर स्वाभाविक प्रतिक्रिया यह होनी चाहिए थी कि भारत का हित कौन बेहतर समझता है– भारत सरकार या अमेरिका? सार्वजनिक बयानों से जो जानकारी सामने आई है, उससे यह मालूम नहीं हो सका है कि मोदी ने इस पर सचमुच क्या कहा। बहरहाल, बाइडेन की असल चिंता भारत का हित नहीं, बल्कि अमेरिकी रणनीति में पेश आई दिक्कतें हैं। उन्होंने मोदी से साफ कहा कि भारत के रूस से तेल का आयात बढ़ाने से यूक्रेन युद्ध के खिलाफ उठाए जा रहे अमेरिकी कदमों में बाधा आ सकती है। यह बात सच है। दरअसल, रूस के खिलाफ अमेरिकी लामबंदी को जितना झटका भारत के रुख से लगा है, उतना किसी और देश की वजह से नहीं पहुंचा है। आखिर भारत एक बड़ा देश है। यूरेशिया में वह बड़े भूभाग वाला महत्त्वपूर्ण देश है। जिस समय रूस और चीन ने अपनी एक मजबूत धुरी बना ली है, भारत का रुख और अहम हो जाता है। भारत प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से इस धुरी से सहयोग जारी रखता है, तो उससे महाशक्ति के रूप मे उभरते और चीन और अभी भी महाशक्ति की हैसियत रखने वाले रूस को नियंत्रित करने की अमेरिकी रणनीति के सफल होने की संभावना बहुत कमजोर हो जाएगी। यही वजह है कि जब से यूक्रेन मामले में भारत ने अमेरिका के मनमाफिक रुख नहीं लिया, भारत आने वाले अमेरिकी अधिकारियों की कड़ी लगी रही है। आखिरकार बाइडेन ने खुद मोर्चा संभाला। अब ये देखने की बात होगी कि सोमवार को हुई इस शिखर वार्ता से भारत के रुख में असल में कितना बदलाव आता है। यह अवश्य है कि इस मसले पर भारत सफाई देने की मुद्रा में नजर आता है। वह रूस से अपने संबंध को किसी नीतिगत सोच के हिस्से के रूप में नहीं, बल्कि अपनी मजबूरी के रूप में पेश करता दिखता है। कोशिश संभवतः यह है कि 'राष्ट्र हित' में भारत को दोनों पक्षों के साथ संपर्क और संबंध रखने की गुंजाइश निकल आए। लेकिन दुनिया में जिस तेजी से ध्रुवीकरण हो रहा है, उसके बीच ये गुंजाइश अगर अभी है भी, तो लंबे समय तक जारी नहीं रह पाएगी। इसलिए जरूरत इस बात की है कि भारत अपने रुख को विदेश नीति को स्पष्ट दृष्टि के साथ पेश करे।

हर हाल में ३० जून तक सड़कों को करें गड्ढा मुक्त : जितिन प्रसाद

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के लोक निर्माण मंत्री जितिन प्रसाद ने अधिकारियों को अभियान चलाकर विभाग की सड़कों को अतिक्रमण मुक्त कराने के लिए कहा है। उन्होंने आगामी ३० जून तक हर हाल में सड़कों को गड्ढामुक्त करने का निर्देश दिया है। कस्बों व महत्वपूर्ण स्थानों पर यातायात का अत्यधिक दबाव होने के कारण बाईपास प्रस्तावित करने की कार्ययोजना तैयार करने का भी उन्होंने निर्देश दिया है।लोक निर्माण मंत्री जितिन प्रसाद बुधवार को लोक निर्माण विभाग मुख्यालय के सभागार में वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से विभागीय अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक कर रहे थे। उन्होंने अधिकारियों से विभाग की १०० दिनों की कार्ययोजना के तहत सड़कों व सेतुओं से संबंधित कार्यों की ताजा स्थिति की जानकारी ली।उन्होंने अंतरराज्यीय मार्गों के स्वागत द्वारों तथा ब्लाक मुख्यालयों को मुख्य मार्ग से दो लेन मार्ग के माध्यम से जोड़ने की प्रगति के बारे में जानकारी हासिल की। मुख्यमंत्री की घोषणाओं से संबंधित कार्यों का फीडबैक लिया और विभाग की ओर से कराये जा रहे कार्यों को निर्धारित समय सीमा में पूरा कराने का निर्देश दिया है।कार्यों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए उन्होंने विभागीय अधिकारियों को कार्यस्थल का आकस्मिक निरीक्षण कर रिपोर्ट प्रस्तुत करने के लिए कहा। जनवरी २०२४ तक अधिकांश कार्यों को पूरा करने के लिए लक्ष्य निर्धारित करके कार्ययोजना बनाने और उसकी मानीटरिंग करने का निर्देश दिया।समीक्षा बैठक में लोक निर्माण राज्य मंत्री बृजेश सिंह, प्रमुख सचिव नितिन रमेश गोकर्ण, प्रमुख अभियंता (विकास) एवं विभागाध्यक्ष लोक निर्माण विभाग राकेश सक्सेना आदि मौजूद थे।

मुस्लिम महिलाओं से बलात्कार की धमकी देने वाले महंत की गिरफ्तारी नहीं होने पर सपा ने उठाए सवाल

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्य विपक्षी दल समाजवादी पार्टी (सपा) ने सीतापुर जिले में मुस्लिम महिलाओं से बलात्कार की खुली धमकी देने वाले एक कथित महंत को अब तक गिरफ्तार नहीं किए जाने पर सवाल उठाए हैं। सपा ने अपने आधिकारिक हैंडल से किए गए ट्वीट में कहा भाईचारे और सद्भावना की सबसे बड़ी दुश्मन भाजपा सरकार। सीतापुर में धर्म विशेष की महिलाओं को पुलिस की मौजूदगी में रेप की धमकी देने वाले आरोपी की अब तक गिरफ्तारी न होना घोर निंदनीय है। पुलिस अब तक क्यों है खाली हाथ? जवाब दे सरकार। पार्टी ने इसी ट्वीट में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से पूछा है कि आखिर ऐसी भड़काऊ टिप्पणी करने वाले महंत पर बुलडोजर कब चलेगा। इसी बीच, सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भी इस मुद्दे पर यह गए एक ट्वीट में कहा उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री से जनता की ये अपेक्षा है कि जो लोग संतों का चोला ओढ़कर, साधु–संतों का नाम बदनाम कर रहे हैं और इसकी आड़ में अपने आपराधिक कुंत्य और जमीन हड़पने के अवैध कारनामों पर पर्दा डाल रहे हैं,

ऐसे सामाजिक सौहार्द बिगाड़नेवाले तत्वों पर तुरंत कार्रवाई करें। गौरतलब है कि पिछली दो अप्रैल को हिंदू नव वर्ष पर बड़ी संगत उदासीन आश्रम के महंत बजरंग मुनि उर्फ अनुपम मिश्रा ने सीतापुर जिले में कथित रूप से एक मस्जिद के सामने गाड़ी में बैठ कर लाउडस्पीकर से भड़काऊ बयान दिया था। उसने पुलिस की मौजूदगी में कहा था कि अगर कोई मुस्लिम व्यक्ति क्षेत्र की किसी हिंदू महिला या लड़की को परेशान करेगा तो वह मुसलमानों के घर में घुसकर उनकी बहू–बेटियों से बलात्कार करेगा। इसके अलावा उसने मुस्लिम समाज को लेकर और भी आपत्तिजनक बातें कही थी। हालांकि बाद में उसने एक वीडियो जारी कर माफी भी मांगी थी। राष्ट्रीय महिला आयोग ने इस मामले का संज्ञान लेते हुए राज्य के पुलिस महानिदेशक को पत्र लिखकर कार्रवाई करने को कहा था। पुलिस ने इस मामले में भारतीय दंड विधान की धारा २९८ (धार्मिक भावनाएं आहत करने के इरादे से भाषण देना) के तहत मुकदमा दर्ज किया है। आरोपी महंत के खिलाफ अब तक कोई कार्रवाई नहीं होने के बारे में जिले के अधिकारी कुछ भी बोलने से बच रहे हैं।

आग का गोला बनी टैक्सी कार

लखनऊ। कैंट के एएमसी सेंटर स्टेडियम के पास सड़क पर दौड़ती एक टैक्सी कार में सोमवार दोपहर एकाएक आग लग गई। कार से धुआं और आग की लपटें निकलती देख पीछे बैठे किसान अविनाश ने आनन फानन कूदकर जान बचाई। इसके बाद गेट खोलकर चालक को निकालकर उसे बचाया। इस बीच से हजरतगंज जा रहे थे। इस बीच एकाएक एमबी क्लब के सामने कार से धुआं और आग की लपटें निकलने लगीं। यह देख चलती कार से कुदकर जान बचाई। देखते देखते बोनट से आग की विकराल लपटें निकले लगीं। कार का गेट खोलकर किसी तरह चालक को आनन फानन निकाला। घटना की जानकारी फायर कंट्रोल

दमकल कर्मी पहुंचे और उन्होंने कुछ ही देर में आग पर काबू पा लिया।किसान अविनाश ने बताया कि वह ओमेक्स सिटी के रहने वाले हैं। मशरूम की खेती करते हैं। दोपहर उन्होंने हजरतगंज जाने के लिए टैक्सी बुक की थी। वह चालक अफशान खान के साथ टैक्सी कार रूम और पुलिस को दी। सूचना मिलते ही दमकल और हजरतगंज फायर स्टेशन से गाड़ी पहुंची। दमकल कर्मियों ने एक गाड़ी की मदद से कुछ ही देर में आग पर काबू पा लिया। एफएसओ राम कुमार रावत ने बताया कि समय रहते आग पर काबू पा लिया गया था। कोई हताहत नहीं हुआ है।

लखनऊ एयरपोर्ट पर डेढ़ करोड़ से अधिक का सोना बरामद

लखनऊ। चौधरी चरण सिंह अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर लगातार तस्करी कर सोना लाने का सिलसिला जारी है। कस्टम की टीम ने इस बार मस्कट से लाए गए तीन किलोग्राम भार के २७ सोने के बिस्कुट के साथ यात्री को गिरफ्तार किया। यात्री से पूछताछ के बाद इस खेल में शामिल एयर इंडिया की बस के चालक को भी गिरफ्तार किया गया।मस्कट से उड़ान ओवी–७६७ रात करीब तीन बजे चौधरी चरण सिंह अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पहुंची थी। यहां पर कस्टम विभाग की टीम सतर्क थी। कस्टम की टीम को एक यात्री पर संदेह हुआ। यात्री के पास मौजूद एक हैंडबैग की तलाशी ली गई। जिसमें लाल और काले रंग के टेप से पैक किए गए सोने के २७ बिस्कुट बरामद हुए। कस्टम की टीम ने उसका वजन किया। सभी २७ सोने के बिस्कुट का वजन ३१४६.२८० ग्राम निकला। जिसकी कीमत

करीब १.६८ करोड़ रुपये है।सोना लेकर आए यात्री से कड़ी पूछताछ की गई तो उसने बताया कि यह सोना उसे एयर इंडिया के बस चालक को देना था। बस चालक ही इस सोने को एयरपोर्ट के बाहर किसी तस्कर को सौंपता। कस्टम की टीम ने यात्री के साथ चालक को भी गिरफ्तार कर आर्थिक मामलों के मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट को सौंप दिया।लखनऊ एयरपोर्ट पर नौ अप्रैल को ही ब्रेसलेट में छिपाकर लाया गया ११ लाख रुपये का सोना पकड़ा गया था। जबकि चार अप्रैल को १५ लाख रुपये का सोना एक यात्री अपने बाल और विग के बीच छिपाकर शारजाह से लाया था। तीन अप्रैल को दुबई से जांच के दौरान कस्टम की टीम को एक यात्री के पास से २४ लाख रुपये का सोना पकड़ा था। फरवरी और मार्च में भी खाड़ी देशों से लाए गए तस्करी का सोना बरामद किया है। कस्टम की टीम ने एयरपोर्ट पर सतर्कता बढ़ायी है।

लखनऊ के सेवी ग्रैंड होटल में भीषण आग, दमघोंटू धुआं फैलने से मची अफरा-तफरी

लखनऊ। गोमतीनगर में लोहिया पुल के पास स्थित सेवी ग्रैंड होटल के बेसमेंट में स्थित इनफिनिटी क्लब में बुधवार शाम करीब छह बजे भीषण आग लग गई। आग की लपटें भूतल पर बने रेस्टोरेंट मे भी पहुंच गई। घटना के समय होटल के चौथे तल पर क्लब में ५०-६० कर्मचारी और कमरों में १५-२० आगंतुक फंस गए। कुछ लोग परिवार के साथ थे। घटना से अफरा-तफरी मच गई और चारों तलों तक दमघोंटू ध ुआं फैल गया। कर्मचारी व मैनेजर खुद की जान बचाकर भागकर नीचे आ गए जबकि आगंतुक कमरों में ही फंसे रह गए। धुएं के कारण लोगों का दम घुटने लगा और वह चीख पुकार कर रहे थे। इस बीच सूचना पर पहुंचे फायर कर्मियों ने आनन फानन लोगों को सीढ़ियों और आकस्मिक द्वार से सुरक्षित निकाल लिया। दमकल कर्मियों ने तीन घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया।कर्मचारियों ने बताया कि बेसमेंट में स्थित इनफिनिटी क्लब करीब एक-डेढ़ साल से बंद था। उसमें गद्दे, कुर्सियां और कुछ समान रखा था। शाम करीब छह बजे इनफिनिटी क्लब से धुआं और आग की लपटें निकलती देख कर्मचारियों ने शोर मचना शुरू कर दिया। पानी फेंककर पहले खुद से आग पर काबू पाने का प्रयास किया। आग बेकाबू होते देख लोगों ने दमकल को सूचना दी। इस बीच आग की चपेट में रैंप के पास बना एरिया

आ गया। यहां प्लास्टिक की चादरों की छत थी। संपर्क में आने से विकराल लपटें उठने लगीं।होटल में मैनेजर सुनील, कर्मचारी संदीप समेत करीब ५०-६० लोग उस समय मौजूद थे। जबकि ४४ कमरों में आगंतुक रुके थे। कुछ बाहर गए थे और करीब १५-२० लोग कमरों में थे। जिसें बिहार की रहने वाली पूजा और उसके परिवार के लोग सो रहे थे। मैनेजर और कर्मचारी आनन फानन सीढ़ियों और लिफ्ट के सहारे निकलकर बाहर आ गए। आगंतुक अपने कमरों में ही थे। वह लोग चीख-पुकार कर रहे थे। धुएं के कारण बेहाल थे। सांस लेने में दिक्कतें हो रही थीं। इस बीच सुरक्षा की ष्टि से लाइट बंद कर दी गई।फायर स्टेशन अफसर गोमतीनगर मदन सिंह, एफएसओ इंदिरानगर शेष नाथ यादव, सीएफओ विजय कुमार सिंह पहुंचे। फायर टीम ने उन्हें ढांढस बंधाते हुए चिल्लाकर शांत कराया। इसके बाद कुछ लोग फायर फाइटिंग में लग गए। बेसमेंट और रेस्टोरेंट में भीषण धुआं था। सब धध ाक रहा था। दमकल कर्मियों ने अत्याधुनिक उपकरणों से गैलरी में लगे शीशे तोड़ दिए। इसके बाद पानी अंदर फेंकना शुरू किया। जबकि अन्य लोग लोगों को निकालने का रेस्क्यू करने लगे।दोनों एफएसओ, कर्मियों के साथ जीने से ऊपर पहुंचे और आनन फानन कमरे में फंसे लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला। दमकल कर्मियों ने करीब तीन घंटे की मशक्त के बाद आग पर काबू पा लिया। सीएफओ ने बताया कि कोई हताहत नहीं हुआ है। सभी को सुरक्षित निकाल लिया गया है। बेसमेंट में गद्दे और कबाड़ का सामान था। वहीं, रेस्टोरेंट में फर्नीचर था। इस कारण धुआं अधिक हो गया था। आग पर काबू पाने में काफी मशक्कत करनी पड़ी।

मुख्तार अंसारी सहित पूरे जेल की सुरक्षा अब और चाक-चौबंद

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के बांदा जेल में बंद माफिया मुख्तार अंसारी सहित पूरे जेल की सुरक्षा अब और चाक-चौबंद कर दी गई है। बैरक के आसपास सीसीटीवी के साथ सुरक्षा में लगे जेल स्टाफ को बाडी वार्न कैमरों से लैस किया गया है। २८ मार्च को जब मुख्तार को लखनऊ पेशी में ले जाना था, उससे पहले बांदा जेल से यह बात लीक हो गई थी, इसी के बाद यह कदम उठाया गया है।मुख्तार अंसासी के बांदा में रहने वाले करीबी लोग पुलिस की राडार पर हैं। पेशी में जाने की बात लीक होने के बाद पुलिस ने कुछ लोगों को चिंहित किया है। जिसमें यह बात भी सामने आ रही है कि कुछ लोग उसके स्वजन से मिलने पूर्व में मऊ तक जा चुके हैं। उसके परिवार के लोगों से इन कारखासों के अच्छे ताल्लुक बन चुके हैं। जिससे वह पल-पल की खबरें वहां तक पहुंचाते हैं।पूर्वांचल के माफिया मुख्तार अंसारी को पिछले वर्ष २०२१ की छह अप्रैल को पंजाब की रोपड़ जेल से बांदा भेजा गया था। एक वर्ष से मुख्तार यहां के मंडल कारागार में बंद है। उसके यहां आने से जेल की सुरक्षा व्यवस्था पूरी तरह हाईटेक बनी है। पीएसी से लेकर बंदी रक्षकों की स्पेशल ड्यूटी सुरक्षा में लगाई जाती है। प्रतिमाह गैर जनपद के बंदी रक्षकों बदले जाते हैं। सीसीटीवी कैमरे व बाडी वार्न कैमरों से निगरानी हो रही है।मुख्तार से जुड़ी खास बातों को गोपनीय रखा जाता है। लेकिन २८ मार्च को जब मुख्तार को लखनऊ पेशी में ले जाना था। इसके पहले बांदा से यह बात लीक हो चुकी थी। मुख्तार अंसारी के मऊ विधायक पुत्र अब्बास ने ट्वीट कर अनहोनी की आशंका जाहिर की थी। खबर कैसे लीक हो गई अधिकारियों के कान खड़े हो गए थे।पुलिस ने अपने स्तर से मामले की जांच की तो कुछ ऐसे लोगों के नाम सामने आए हैं जो मुख्तार के काफी करीबी बने हैं। मददगार के रूप में वह मऊ मुख्तार के स्वजन व खास लोगों से भी मिल चुके हैं। उनके कारखास बनकर मदद करते हैं। अधिकारियों के निर्देश पर पुलिस ऐसे लोगों पर बराबर नजर रख रही है। एएसपी लक्ष्मी निवासी मिश्र ने बताया कि जांच के कोई आदेश नहीं मिले हैं। लेकिन ऐसे लोगों का पता कर बराबर नजर रखी जा रही है।पेशी के दौरान मुख्तार अपनी सुरक्षा और जेल कर्मियों पर बदसलूकी का आरोप लगाता रहा है। हाल ही में उसके बेटे और विधायक अब्बास अंसारी ने भी सुरक्षा को लेकर सवाल खड़े किए थे, जिसको लेकर शासन के निर्देश पर बांदा जेल में अब सुरक्षा कर्मी बाडी वार्न कैमरों से लैस रहेंगे, जो उनकी वर्दी में लगाया जाएगा।मुख्तार की पेशी की बात लीक होने के मामले को डीजी जेल आनंद कुमार ने भी संज्ञान लिया था। मामले की जांच डीआइजी संजीव त्रिपाठी को सौंपी थी। डीआइजी ने सप्ताह भर पहले बांदा जेल आकर जेल के अधिकारी व कर्मियों के अलग-अलग बयान लिए थे। उन्होंने अपने दर्ज किए गए बयानों की रिपोर्ट डीजी को सौंपी थी।डीआइजी संजीव त्रिपाठी का कहना है कि प्रदेश की पांच जेलों में बाडी वार्न कैमरों को लैस करने का निर्देश आया है, जिसमें बांदा जेल भी शामिल है। बांदा जेल में एक बार मे ५ सुरक्षा कर्मियों द्वारा उपयोग किया जा रहा है, अभी तक १० कैमरे शासन से प्राप्त हुए हैं।

20 लीटर अवैध कच्ची शराब के साथ युवक गरफ्तार

लखनऊ। मोहनलालगंज पुलिस ने एक युवक को अवैध देसी शराब के साथ किया गिरफ्तार युवक के कब्जे में २० लीटर अवैध कच्ची शराब पुलिस ने किया बरामद युवक के विरुद्ध आबकारी अधिनियम के अंतर्गत मुकदमा पंजीकृत किया पुलिस द्वारा जानकारी के मुताबिक सिसेंडी चौकी इंचार्ज उप निरीक्षक विजय कुमार सरोज मय हमराह थाना क्षेत्र में गस्त के दौरान मुखबिर की सूचना पर पुलिस मौके पर जा पहुंची संजीवन के घर के पास केसरी खेडा एक युवक पुलिस को देख कर भागने का प्रयास करने लगा मोहनलालगंज पुलिस ने युवक को दौड़ा कर उसे मौके पर ही दबोच लिया नाम पता पुछने पर अपना नाम पिंटू उर्फ लालू पुत्र बनवारी केसरी खेडा थाना मोहनलालगंज जनपद लखनऊ का निवासी बताया युवक के कब्जे में २० लीटर अवैध शराब पुलिस ने बरामद किया पुलिस युवक को गिरफ्तार कर मोहनलालगंज कोतवाली लेकर आई जहां आरोपी के विरुद्ध आबकारी अधिनियम के अंतर्गत मुकदमा पंजीत किया गया।

तकनीकी अधिकारी की गला घोंटकर हत्या, इंस्पेक्टर ससुर और पति समेत पांच पर मुकदमा

लखनऊ। जानकीपुरम स्थित केंद्रीय औषधि अनुसंधान संस्थान (सीडीआरआइ) के आवासीय परिसर में सोमवार रात तकनीकी अधिकारी वर्षा सिंह को गला घोंटकर मारा गया था। मंगलवार रात यह राजफाश पोस्टमार्टम रिपोर्ट में हुआ। तीन डाक्टरों के पैनल ने देर शाम वीडियोग्राफी में शव का पोस्टमार्टम किया। वर्षा के पिता विजय प्रताप सिंह ने दामाद विश्वेंद्र सिंह, पुलिस विभाग में तैनात उसके पिता इंस्पेक्टर राजेश कुमार सिह और सास समेत पांच के खिलाफ दहेज हत्या का मुकदमा दर्ज कराया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में वर्षा के सिर पर चोट भी मिली है। उसके सिर पर प्रहार किया गया था। विजय प्रताप सिंह का आरोप है कि सात लाख रुपये की मांग पूरी न होने पर विश्वेंद्र ने बेटी को मार डाला। देर रात पुलिस ने हत्यारोपित विश्वेंद्र को गिरफ्तार कर लिया। विजय प्रताप सिंह ने बताया कि वह बनारस के यूपी कालेज में सीनियर क्लर्क हैं। वह मूल रूप से मऊ जनपद के कहिनौर सराय के रहने वाले हैं। २०१६ में बेटी का विवाह विश्वेंद्र सिंह के साथ हुआ था। विश्वेंद्र सिंह मूल रूप से बरेली के सुभाषनगर का रहने वाला है। विश्वेंद्र सिंह के पिता राजेश सिंह बिजनौर में क्राइम ब्रांच में इंस्पेक्टर हैं। विश्वेंद्र कई माह से कार लेने के लिए सात लाख रुपये की मांग कर रहा था। उन्होंने बताया कि वह कार के लिए आए दिन वर्षा को मारपीटकर प्रताडित करता था। एक साल पहले उसने बेटी का सिर फोड़ दिया था। अक्टूबर माह में छोटी बेटी विदुषा की शादी की थी। वह असिस्टेंट प्रोफेसर है। बेटी की शादी में खर्च अधिक हुआ, इसलिए मांग पूरी नहीं कर पाए। मांग पूरी न होने पर विश्वेंद्र ने बेटी की हत्या कर दी। एसीपी अलीगंज अली अब्बास ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट में वर्षा की गला घोंटकर हत्या किए जाने की पुष्टि हुई है। विजय प्रताप सिंह की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर आरोपित पति विश्वेंद्र को देर रात गिरफ्तार कर लिया गया है। वहीं, अन्य की तलाश जारी है। वर्षा के दो साल के बच्चे को उसके नाना के सिपुर्द कर दिया गया है। अब वही उसे अपने साथ रखेंगे।वर्षा के पिता ने बताया कि विश्वेंद्र के पिता इंस्पेक्टर हैं। उसके चार चाचा दारोगा और एक दीवान हैं। वह जांच प्रभावित कर सकते हैं। जानकीपुरम पुलिस उनके दबाव में है। घटना के बाद विश्वेंद्र के दो चाचा, जो दारोगा हैं, वह मंगलवार को जानकीपुरम थाने में पूरे दिन बैठे रहे। इसलिए पुलिस ने पंचनामा और पोस्टमार्टम की कार्रवाई में काफी देर कर दी। सीडीआरआइ परिसर में रहने वाले लोगों ने बताया कि विश्वेंद्र वर्षा की हत्या करने के बाद देर शाम फ्लैट से चीखते हुए बाहर निकला और बोला कि उसकी पत्नी ने फांसी लगा ली है। वह पड़ोसियों से मदद की गुहार करते हुए एक की कार से वर्षा को लेकर अस्पताल गया था। अस्पताल में मौत की पुष्टि होने के बाद लौटते समय उसने रास्ते में अपने इंस्पेक्टर पिता से फोन पर बात की। उसने पिता को घटना की जानकारी दी। पड़ोसियों ने बताया कि उसके पिता ने कहा कि वहां मत रुको और भाग जाओ। इसके बाद विश्वेंद्र परिसर में पहुंचा। कार खड़ी की। वर्षा का शव कार में ही छोड़ा। इसके बाद बहाने से निकला और फिर वर्षा की कार लेकर भाग निकला। विजय प्रताप ने बताया कि कई माह से विश्वेंद्र कार खरीदने की जिद कर रहा था। कुछ माह पहले विश्वेंद्र की जिद पर वर्षा ने उसे एक कार खरीदकर दी थी। बेटी की हत्या के बाद वह कार लेकर फरार हो गया। कार कानपुर में है। विश्वेंद्र का चचेरा भाई कानपुर में दारोगा है। वहीं पर कार खड़ी है। विजय प्रताप ने बताया कि विश्वेंद्र बेटी के एटीएम कार्ड, क्रेडिट कार्ड, पासबुक, मोबाइल फोन और कुछ अन्य दस्तावेज भी लेकर भागा था।

रोपवे हादसे के बचाव अभियान में शामिल अधिकारियों से PM ने की बात

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए देवघर (झारखंड) में बचाव कार्यों में शामिल भारतीय वायुसेना के कर्मियों, भारतीय सेना, एनडीआरएफ, आईटीबीपी, स्थानीय प्रशासन और नागरिक समाज के कर्मियों से बातचीत की। मोदी ने कहा कि आपने तीन दिनों तक

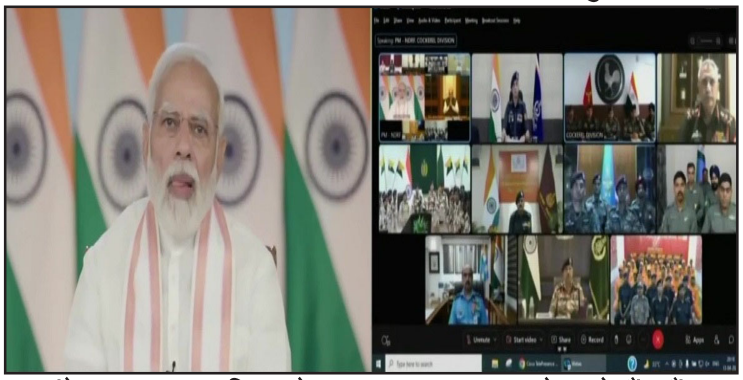

२४ घंटे लगकर एक मुश्किल रेस्क्यू ऑपरेशन को पूरा किया और अनेक देशवासियों की आपने जान बचाई है। पूरे देश ने आपके साहस को सराहा है, मैं इसे बाबा बैद्यनाथ जी की कृपा मानता हूं। हालांकि हमें दुख है कि कुछ साथियों का जीवन हम नहीं बचा पाएं, अनेक साथी घायल भी हुए हैं। उन्होंने काह कि पीड़ित परिवारों के साथ हम सभी की पूरी संवेदना है। मैं सभी घायलों के जल्द स्वस्थ होने की कामना करता हूं। मोदी ने कहा कि देश को गर्व है कि उसके पास हमारी थल सेना, वायु सेना, **NDRF, ITBP** के जवान और पुलिस बल के रूप में ऐसी कुशल फोर्स है, जो देशवासियों को हर संकट से सुरक्षित बाहर निकालने का माद्दा रखती है। प्रधानमंत्री ने कहा कि इस दुर्घटना और रेस्क्यू मिशन से अनेक सबक हमें भी मिले हैं। आपके अनुभव भविष्य में बहुत काम आने वाले हैं। मैं आप सभी से बात करने के लिए बहुत उत्सुक हूं, क्योंकि इस ऑपरेशन से मैं लगातार जुड़ा रहा और हर स्थिति का जायजा लेता रहा था। वहीं गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि सभी एजेंसियों ने बहुत कम समय में तालमेल के साथ कम से कम नुकसान के साथ इस ऑपरेशन को पूरा किया। जब चिकूट की पहाड़ी पर इतने सारे यात्री फंसे हुए थे तो पूरे देश की सांसे अध ार में लटकी हुई थीं। उन्होंने कहा कि मैं एनडीआरएफ, वायु सेना, आईटीबीपी, सेना, जिला प्रशासन के सभी प्रतिनिधियों को बधाई और धन्यवाद देता हूं क्योंकि यह एक बहुत ही कठिन अ परेशन था जिसे उन्होंने ध ैर्यपूर्वक अंजाम दिया। इतने सारे एजेंसियों ने अच्छे समन्वय के साथ कम से कम नुकसान के साथ इतने कम समय में अ परेशन को अंजाम दिया। इससे पहले झारखंड मुख्यमंत्री ने कहा कि हेमंत सोरेन मुझे लगता है कि देश में ये पहली घटना है, एकाध ा बार ये भी बात आई कि ये रेस्क्यू किया ही नहीं जा सकता। वायुसेना के गरुड़ कमांडो, आईटीबीपी की टीम, भारतीय सेना, एनडीआरएफ, स्थानीय प्रशासन ने काफी संयम के साथ इस ऑपरेशन को अंजाम दिया। आपको बता दें कि देवघर में त्रिकुट पहाड़ियों पर रविवार को रोपवे की ट्रॉलियां टकराने के कारण हुए हादसे के बाद ६० से अधिक पर्यटक ४६ घंटे से अधिक समय तक केबल कारों में फंसे रहे थे। इन पर्यटकों को बचाने के लिए भारतीय वायुसेना, सेना, भारत–तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी), एनडीआरएफ और जिला प्रशासन के संयुक्त दलों ने अभियान चलाया था। हादसे में तीन लोगों की मौत हो गई थी।

यूक्रेन को मानवीय सहायता प्रदान कर रहा भारत बोले विदेश मंत्री

नई दिल्ली। विदेश मंत्री एस जयशंकर भारत और अमेरिका के बीच २ प्लस टू की बैठक के लिए वाशिंगटन गए थे। वहां उन्होंने अमेरिका के विदेश मंत्री के साथ बैठक की। बैठक के बाद आज विदेश मंत्री एस जयशंकर ने एक प्रेस क न्फ्रेंस किया। अपने

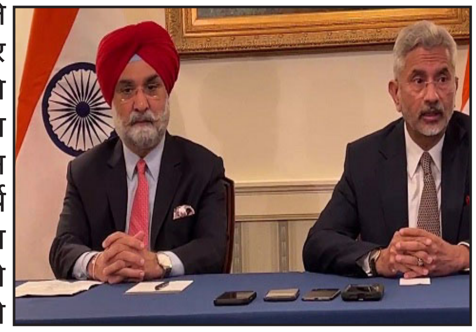

प्रेस क न्फ्रेंस में ऐसा शंकर ने कहा कि मानवीय स्थिति (यूक्रेन) में विभिन्न देश क्या कर रहे हैं, हमने उस बारे में बात की। हमने मार्च महीने में ६० टन राहत सामग्री दी। लेकिन अभी यूक्रेन को दवाओं की आपूर्ति पर अधिक ध्यान दिया जा रहा। वाशिंगटन में विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर ने कहा कि इंडो–पैसिफिक में और अधिक आर्थिक गतिविधियों के बारे में चर्चा हुई। ऐसा क्या है जो विभिन्न देश, विशेष रूप से क्वाड, अधिक आर्थिक सहयोग को बढ़ावा देने के लिए कर सकते हैं। इसके अलावा उन्होंने कहा कि श्रीलंका में आई कठिनाइयां, पाकिस्तान में बड़े बदलाव, नेपाल, म्यांमार में हाल ही में जो हुआ, उस पर चर्चा हुई। विदेश मंत्री ने कहा कि हमने अफगानिस्तान के बारे में और वहां क्या घटनाक्रम रहा है, इस बारे में एक दूसरे को अपडेट किया। जैसा कि आप सभी जानते हैं, हमारा दृष्टिकोण संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के प्रस्ताव पर आधारित है। विदेश मंत्री ने कहा कि हमारे पास कई घटनाएं हैं जिन्होंने वास्तव में ऊर्जा बाजार को सख्त कर दिया है और हमारी अर्थव्यवस्थाओं पर दबाव डाला है और दूसरों के लिए यह महसूस करना महत्वपूर्ण है। इसलिए, मुझे लगता है कि हम इस बारे में बिल्कुल स्पष्ट थे कि विकास की संभावनाओं और मुद्रास्फीति के परिणामों के लिए उच्च ऊर्जा की कीमतें क्या कर रही हैं। उन्होंने कहा कि बहुत विस्तृत चर्चा हुई – हम कहाँ हैं और हमें अभी और क्या करना है और अगली बार जब हम (क्वाड) मिलेंगे। इंडो–पैसिफिक में और अध िक आर्थिक गतिविधियों के बारे में चर्चा। ऐसा क्या है जो विभिन्न देश, विशेष रूप से क्वाड, अधिक आर्थिक सहयोग को बढ़ावा देने के लिए कर सकते हैं।

एटीएस ने सीसीटीवी फुटेज से चिन्हित चश्मदीदों के दर्ज किये बयान

लखनऊ। गोरखनाथ मंदिर परिसर में हमला करने वाले अहमद मुर्तजा अब्बासी के विरुद्ध अपने केस आतंकवाद निरोधक दस्ता (एटीएस) ने मजबूत आध ार देने के लिए विस्तृत विवेचना योजना बनाई है, जिसके तहत साक्ष्य जुटाये जा रहे हैं। एटीएस

ने गोरखनाथ मंदिर परिसर में लगे सीसीटीवी कैमरों की मदद से घटना के कई चश्मदीदों को भी चिन्हित किया है, जिनके बयान दर्ज किये गये हैं। एटीएस मुर्तजा की रिमांड अवधि बढने के बाद उसे नेपाल सीमा पर भी ले गई थी। मुर्तजा से पूछताछ के आधार पर उसके गोरखपुर से नेपाल सीमा पर जाने तथा वापस मंदिर परिसर तक पहुंचने का पूरा रोडमैप भी तैयार किया गया है। एटीएस इन सभी तथ्यों को अपनी केस डायरी का हिस्सा बनायेगी। एटीएस ने मंगलवार को भी मुर्तजा से गोरखपुर में अपनी पूछताछ जारी रखी। सूत्रों का कहना है कि उसे बुधवार को लखनऊ स्थित एटीएस मुख्यालय लाया जायेगा। एटीएस ने विवेचना में सामने आये तथ्यों के बारे में मुर्तजा से पूछताछ के बाद उसकी बीते दिनों की गतिविधियों को लेकर भी सिलसिलेवार सवाल किये हैं। नेपाल सीमा स्थित एक मदरसे की भूमिका भी जांच के घेरे में है। हालांकि, अधिकारी अभी इसे लेकर कुछ बोलने से कतरा रहे हैं। मुर्तजा के मोबाइल व लैपटाप को फोरेंसिक जांच के लिए दिल्ली स्थित एक लैब में भेजा गया है। जहां डाटा की रिकवारी व विश्लेषण का काम किया जा रहा है। फोरेंसिक रिपोर्ट के आधार पर एटीएस उसके विरुद्ध साक्ष्य जुटाने का प्रयास करेगी। साथ ही मुर्तजा के बैंक खातों की पड़ताल में भी जांच एजेंसी के हाथ अहम सुराग लगे हैं। मुर्तजा के कट्टरपंथियों के संपर्क में आने से लेकर सीरिया में उसके संपर्कों की भी छानबीन लगातार चल रही है। यह पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि वह आतंकी संगठन आइएस के किन लोगों के सीधे संपर्क में आया था।एटीएस ने ११ अप्रैल को मुर्तजा की पुलिस रिमांड अवधि पूरी होने के बाद उसे गोरखपुर स्थित कोर्ट में पेश किया गया था। कोर्ट से उसकी पांच दिनों की पुलिस रिमांड अवधि बढ़वाने के बाद एटीएस आगे की छानबीन कर रही है। एडीजी एटीएस नवीन अरोड़ा का कहना है कि कई ङ्क्षबदुओं पर पड़ताल जारी है। अब तक सामने आये तथ्यों के आधार पर साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं।

स्वास्थ सहनिदेशक के बंद मकान में चोरी

लखनऊ। आशियाना थाना क्षेत्र में घूम रहे बेखौफ चोरों ने एक स्वास्थ विभाग के सह निदेशक के बंद मकान को निशाना बना घर के बाथरूम में लगी कीमती पीतल की चालीस टोटियां सहित तीन गैस सिलेंडर ,तीन स्टैपलाइजर व एक इनवर्टर चोरी कर फरार हो गए। जानकारी होने पर पीड़ित ने स्थानीय थाना पहुंचकर पुलिस को चोरी की जानकारी दी है। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने चोरी की धाराओं में मुकदमा दर्ज कर चोरों की तलाश में जुटी हुई है। आशियाना कोतवाली प्रभारी दीपक कुमार पांडेय ने बताया कि आशियाना थाना क्षेत्र के ए १६८ रश्मी खण्ड में रहने वाले संदीप गुलाटी ने बताया कि वह हेल्थ विभाग में ज्वाइंट डायरेक्टर के पद पर लखनऊ में कार्यरत हैं। परिवार संग वह बीते २८ मार्च को मुम्बई गए हुए थे मुम्बई से वापस लौटने पर घर का ताला टूटा देख चोरी की जानकारी हुई। जिसके बाद स्थानीय थाना आशियाना पहुंचकर पुलिस को चोरी की जानकारी देते हुए लिखित शिकायत की है। पीड़ित के मुताबिक उनके घर के बाथरूम से चोरों ने उनके घर के बाथरूम से कीमती पीतल की चालीस टोटियों सहित दो गैस सिलेंडर ,तीन स्टैपलाइजर व एक इनवर्टर चोरी कर फरार हो गए। जिसकी शिकायत पुलिस से की है। पुलिस के मुताबिक पीड़ित की शिकायत पर मुकदमा दर्ज कर चोरों की तलाश की जा रही है।

अज्ञात वाहन की टक्कर से अधेड़ व्यक्ति की हुई मौत

लखनऊ। मोहनलालगंज थाना क्षेत्र के अंतर्गत अज्ञात वाहन की टक्कर से एक अधेड़ व्यक्ति की हुई मौत सूचना पर पहुंची मोहनलालगंज कोतवाली पुलिस ने घायल को नजदीकी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया जहां डाक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया मूल निवासी राम आसरे लोधी ने मोहन लालगंज कोतवाली पहुंचकर लिखित तहरीर देते हुए बताया है कि रविवार देर मेरा चचेरा भाई गया प्रसाद उर्फ पुदुम लोध ी उम्र करीब ५५ वर्ष जो कस्बा मोहनलालगंज काम के सिलसिले में कस्बा मोहनलालगंज गया था तभी एक बैंक के सामने अज्ञात वाहन के चालक ने तेजी से लापरवाही पूर्वक गाड़ी चलाते हुए चचेरे भाई को ठोकर मार दी जिससे उसकी मौत हो गई पुलिस ने राम आसरे लोधी की तहरीर पर अज्ञात चालक के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी

आज भी प्रासंगिक हैं बाबा साहेब के विचार

डॉ. सौरभ मालवीय

सामाजिक समता एवं सामाजिक न्याय के लिए आजीवन संघर्ष करने वाले डॉ. भीमराव आम्बेडकर के विचार आज भी उतने ही प्रासंगिक हैं, जितने पहले थे। उन्होंने अपना संपूर्ण जीवन ऊंच–नीच, भेदभाव एवं अस्पृश्यता के उन्मूलन के कार्यों के लिए समर्पित कर दिया। वह कहते थे– "न्याय हमेशा समानता के विचार को पैदा करता है। संविधान, यह एक मात्र वकीलों का दस्तावेज नहीं, यह जीवन का एक माध्यम है। अपने विचारों और कृत्तव के कारण वह दलितों के मसीहा बन गए। उन्हें बाबा साहेब के नाम से भी जाना जाता है। मध्य प्रदेश के महू में १४ अप्रैल, १८९१ को जन्मे भीमराव आम्बेडकर रामजी मालोजी सकपाल और भीमाबाई की चौदहवीं संतान थे। वह हिंदू महार जाति से संबंध रखते थे, जो अछूत कहे जाते थे। इसके कारण उनके साथ भेदभाव किया जाता था। उनके पिता भारतीय सेना में सेवारत थे। पहले भीमराव का उपनाम सकपाल था, लेकिन उनके पिता ने अपने मूल गांव अंबाडवे के नाम पर उनका उपनाम अंबावडेकर लिखवाया, जो आगे चलकर आम्बेडकर हो गया। पिता की सेवानिवृत्ति के पश्चात उनका परिवार महाराष्ट्र के सतारा में चला गया। उनकी मां की मृत्यु के पश्चात उनके पिता ने दूसरा विवाह कर लिया और बंबई में जाकर बस गए। यहीं उन्होंने शिक्षा ग्रहण की। वर्ष १९०६ में मात्र १५ वर्ष की आयु में उनका विवाह नौ वर्षीय रमाबाई से कर दिया गया। वर्ष १९०८ में उन्होंने बारहवीं की परीक्षा उत्तीर्ण की। विद्यालय की शिक्षा पूर्ण करने के पश्चात उन्होंने बॉम्बे के एल्फिनस्टोन कॉलेज में दाखिला लिया। उन्हें गायकवाड़ के राजा सहयाजी से २५ रुपये मासिक की छात्रवृत्ति मिलने लगी थी। वर्ष १९१२ में उन्होंने राजनीति विज्ञान व अर्थशास्त्र में स्नातकोत्तर की उपाधि ली। इसके पश्चात उच्च शिक्षा के लिए वह अमेरिका चले गए। वर्ष १९१६ में उन्हें उनके एक शोध के लिए पीएचडी से सम्मानित किया गया। इसके पश्चात वह लंदन चले गए, किन्तु उन्हें बीच में ही लौटना पड़ा। आजीविका के लिए इस समयावधि में उन्होंने कई कार्य किए। वह मुंबई के सिडनेम कॉलेज ऑफ कॉमर्स एंड इकोनोमिक्स में राजनीतिक अर्थव्यवस्था के प्राध्यापक भी रहे। इसके पश्चात एक बार फिर वह इंग्लैंड चले गए। वर्ष १९२३ में उन्होंने अपना शोध 'रुपये की समस्याएं' पूरा कर लिया। उन्हें लंदन विश्वविद्यालय द्वारा 'डॉक्टर ऑफ साईंस' की उपाधि प्रदान की गई। उन्हें ब्रिटिश बार में बैरिस्टर के रूप में प्रवेश मिल गया। स्वदेश वापस लौटते हुए भीमराव आम्बेडकर तीन महीने जर्मनी में रुके और ब न विश्वविद्यालय में उन्होंने अपना अर्थशास्त्र का अध्ययन जारी रखा। उन्हें ८ जून, १९२७ कोलंबिया विश्वविद्यालय द्वारा पीएचडी प्रदान की गई। भीमराव आम्बेडकर को बचपन से ही अस्पृश्यता से जूझना पड़ा। विद्यालय से लेकर नौकरी करने तक उनके साथ भेदभाव किया जाता रहा। इस भेदभाव और निरादर ने उनके मन को बहुत ठेस पहुंचाई। उन्होंने अस्पृश्यता के समूल नाश के लिए कार्य करने का प्रण लिया। उन्होंने कहा कि नीची जाति व जनजाति एवं दलित के लिए

देश में एक भिन्न चुनाव प्रणाली होनी चाहिए। उन्होंने देशभर में घूम–घूम कर दलितों के अधिकारों के लिए आवाज उठाई और लोगों को जागरूक करने का कार्य किया। उन्होंने वर्ष १९३६ में स्वतंत्र मजदूर पार्टी की स्थापना की। अगले वर्ष १९३७ के केन्द्रीय विधानसभा चुनाव में उनकी पार्टी ने १५ सीटों पर विजय प्राप्त की। उन्होंने इस दल को ऑल इंडिया शिड्यूल कास्ट पार्टी में परिवर्तित कर दिया। वह वर्ष १९४६ में संविधान सभा के चुनाव में खड़े हुए, किन्तु उन्हें असफलता मिली। वह रक्षा सलाहकार समिति और वाइसराय की कार्यकारी परिषद के लिए श्रम मंत्री के रूप में सेवारत रहे। वह देश के पहले कानून मंत्री बने। उन्हें संविधान गठन समिति का अध्यक्ष बनाया गया। भीमराव आम्बेडकर समानता पर विशेष बल देते थे। वह कहते थे– "अगर देश की अलग–अलग जातियां एक दूसरे से अपनी लड़ाई समाप्त नहीं करेंगी, तो देश एकजुट कभी नहीं हो सकता। यदि हम एक संयुक्त एकीत आधुनिक भारत चाहते हैं तो सभी धर्म–शास्त्रों की संप्रभुता का अंत होना चाहिए। हमारे पास यह आजादी इसलिए है ताकि हम उन चीजों को सुधार सकें, जो सामाजिक व्यवस्था, असमानता, भेदभाव और अन्य चीजों से भरी है जो हमारे मौलिक अधिकारों के विरोधी हैं। एक सफल क्रांति के लिए केवल असंतोष का होना ही काफी नहीं है अपितु इसके लिए न्याय, राजनीतिक और सामाजिक अधिकारों में गहरी आस्था का होना भी बहुत आवश्यक है। राजनीतिक अत्याचार सामाजिक अत्याचार की तुलना में कुछ भी नहीं है और जो सुधारक समाज की अवज्ञा करता है, वह सरकार की अवज्ञा करने वाले राजनीतिज्ञ से ज्यादा साहसी हैं। जब तक आप सामाजिक स्वतंत्रता हासिल नहीं कर लेते तब तक आपको कानून चाहे जो भी स्वतंत्रता देता है वह आपके किसी काम की नहीं। यदि हम एक संयुक्त एकीकृत आधुनिक भारत चाहते हैं तो सभी धर्म–शास्त्रों की संप्रभुता का अंत होना चाहिए।" वह कहते थे– "मैं एक ऐसे धर्म को मानता हूं जो स्वतंत्रता, समानता और भाईचारा सिखाये।" वर्ष १९५० में वह एक बौद्धिक सम्मेलन में भाग लेने के लिए श्रीलंका गए, जहां वह बौद्ध धर्म से अत्यधिक प्रभावित हुए। स्वदेश वापसी पर उन्होंने बौद्ध व उनके धर्म के बारे में पुस्तक लिखी। उन्होंने बौद्ध धर्म ग्रहण कर लिया। उन्होंने वर्ष १९५५ में भारतीय बौध्या महासभा की स्थापना की। उन्होंने १४ अक्टूबर, १९५६ को एक आम सभा का आयोजन किया, जिसमें उनके पांच लाख समर्थकों ने बौद्ध धर्म अपनाया। इसके कुछ समय पश्चात ६ दिसम्बर, १९५६ को दिल्ली में उनका निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार बौद्ध धर्म की रीति के अनुसार किया गया। वर्ष १९९० में मरणोपरांत उन्हें देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मान भारत रत्न से सम्मानित किया गया। कई भाषाओं के ज्ञाता बाबा साहेब ने अनेक पुस्तकें भी लिखीं। उन्होंने अंग्रेजी में 'वेटिंग फॉर वीजा' नाम से अपनी आत्मकथा लिखी थी। वह लिखते हैं– 'यह घटना भी आंखें खोलने वाली है। यह घटना काठियावाड़ में एक गांव की अछूत विद्यालय में पढ़ाने वाले शिक्षक की है। मिस्टर गांधी द्वारा प्रकाशित जनरल 'यंग इंडिया' में यह घटना एक पत्र के माध्यम से १२ दिसंबर, १९२६ को सामने आई। इसमें लेखक ने अपने निजी अनुभव से बताया कि कैसे उसकी पत्नी की जिसने अभी बच्चे को जन्म दिया था, हिंदू चिकित्सक के ठीक से उपचार नहीं करने के कारण मत्यु हो गई। पत्र के अनुसार इस महीने की पांच तिथि को मेरा बच्चा हुआ था और सात तिथि को मेरी पत्नी बीमार हो गई। उसकी नब्ज धीमी हो गई और छाती फूलने लगी। उसको श्वास लेने में कष्ट होने लगा और पसलियों में तेज दर्द होने लगा। मैं एक चिकित्सक को बुलाने गया, लेकिन उसने कहा कि वह एक हरिजन के घर नहीं जाएगा और न ही वह बच्चे को देखने के लिए तैयार हुआ। तब मैं वहां से नगर सेठ और गारिसाय दरबार गया और उनसे मदद की भीख मांगी। नगर सेठ ने आश्वासन दिया कि मैं चिकित्सक को दो रुपये दे दूंगा। तब जाकर चिकित्सक आया, परन्तु उसने इस शर्त पर रोगी को देखा कि वह हरिजन बस्ती के बाहर रोगी को देखेगा। मैं अपनी पत्नी और नन्हे बच्चे को लेकर बस्ती के बाहर आया। तब चिकित्सक ने अपना थर्मामीटर एक मुसलमान को दिया और उसने मुझे दिया और मैंने अपनी पत्नी को। फिर उसी प्रक्रिया में थर्मामीटर वापस किया। यह लगभग रात के आठ बजे की बात है। बत्ती की प्रकाश में थर्मामीटर को देखते हुए चिकित्सक ने कहा कि रोगी को निमोनिया हो गया है। उसके पश्चात चिकित्सक चला गया और दवाइयां भेजीं। मैं हाट से कुछ लिनसीड खरीद कर ले आया और रोगी को लगाया। पश्चात में चिकित्सक ने रोगी को देखने से इंकार कर दिया, जबकि मैंने उसको दो रुपये दिए थे। रोग घातक था। अब केवल भगवान ही हमारी सहायता कर सकता था। मेरे जीवन की लौ बुझ गई। आज दोपहर दो बजे उसकी मत्यु हो गई। उस अछूत शिक्षक का नाम नहीं दिया हुआ है और इसी तरह से चिकित्सक का भी नाम नहीं लिखा हुआ है। अछूत शिक्षक ने बदले की कार्यवाही के डर के कारण नाम नहीं दिया, लेकिन तथ्य एकदम सही हैं। उसके लिए किसी स्पष्टीकरण की आवश्यकता नहीं है। शिक्षित होने के पश्चात भी चिकित्सक ने गंभीर रोगग्रस्त महिला को स्वयं थर्मामीटर लगाने से मना कर दिया और उसके मना करने के कारण ही महिला की मृत्यु हुई। उसके मन में बिलकुल भी उथल–पुथल नहीं हुई कि वह जिस कार्य से बंधा हुआ है उसके कुछ नियम हैं।' वह अस्पृश्यता के विरुद्ध और सामाजिक समता और सामाजिक समरसता के लिए देश में जन जागृति अभियान चलाना चाहते है। इसके लिए समाचार पत्र एक सशक्त माध्यम था, परंतु समाचार पत्र के प्रकाशन के लिए धन की आवश्यकता थी। उनके शब्दों में–"यह निराशाजनक है कि इस कार्य के लिए हमारे पास पर्याप्त संसाधन नहीं हैं। हमारे पास पैसा नहीं है, हमारे पास समाचार पत्र नहीं है। पूरे भारत में प्रतिदिन हमारे लोग अधिनायकवादी लोगों के बेहरहमी और भेदभाव का शिकार होते हैं लेकिन इन सारी बातों को कोई अखबार जगह नहीं देते हैं। एक सुनियोजित षडयंत्र के तहत तमाम तरीकों से सामाजिक राजनीतिक मसलों पर हमारे विचारों को रोकने में शामिल हैं। उन्होंने ३१ जनवरी, १९२० को कोल्हापुर में 'मूकनायक' नाम से मराठी में पाक्षिक समाचार पत्र आरंभ किया। यह समाचार पत्र समाज के दबे कुचले लोगों की आवाज था। इसलिए इसका नाम मूकनायक' रखा गया अर्थात मूक लोगों का नायक। उन्होंने इसके बारह संस्करणों का संपादन किया। इसमें संपादकीय टिप्पणियों के अतिरिक्त उनके ४० लेख प्रकाशित हुए। आर्थिक संकट के कारण अप्रैल १९२३ में इसका प्रकाशन बंद हो गया। इस समाचार पत्र के प्रकाशन में शाहूजी महाराज ने भी आर्थिक सहयोग दिया. नागपुर में अखिल भारतीय बहिष्कृत समाज परिषद की सभा को संबोधित करते हुए कहा था कि "दलितों को अब चिंता करने की आवश्यकता नहीं है, उन्हें आम्बेडकर के रूप में ओजस्वी विद्वान नेता प्राप्त हो गया है।" मूकनायक के बंद होने के कुछ वर्ष पश्चात उन्होंने ३ अप्रैल, १९२७ को 'बहिष्कृत भारत' के नाम से नई पत्रिका का प्रकाशन प्रारंभ किया। इसका प्रकाशन १५ नवंबर, १९२९ तक निरंतर होता रहा। इसके पश्चात यह पत्रिका भी बंद हो गई। उन्होंने २६ जून, १९२८ समता का प्रकाशन प्रारंभ किया. इसके पश्चात २४ नवंबर, १९३० में जनता और १९४० में आम्ही शासनकर्ती जमात बनणार और ४ फरवरी, १९५६ को प्रबुद्ध भारत का प्रकाशन प्रारंभ किया। भारत के अतिरिक्त विदेशों में भी डॉ. भीमराव आम्बेडकर के लेख प्रकाशित होते थे, जिनमें लंदन का 'द टाइम्स८, ऑस्ट्रेलिया का 'डेली मर्करी', 'न्यूयॉर्क टाइम्स', 'न्यूयॉर्क एम्सटर्डम न्यूज', 'बाल्टीमोर अफ्रो–अमरीकन', 'द नॉरफॉक जर्नल' आदि सम्मिलित है। इसके अतिरिक्त अमेरिका के अश्वेतों द्वारा चलाए जाने वाले कई समाचार पत्रों और पत्रिकाओं में भी आम्बेडकर के विचार प्रकाशित होते थे। उनका संपूर्ण जीवन शोषितों एवं वंचितों के लिए समर्पित रहा है। वह बहिष्कृत समाज की मुक्ति के साथ नये राष्ट्र के निर्माण के लिए कार्य करते रहे। निसंदेह उनका योगदान अस्मरणीय है।

लेखक– (मीडिया शिक्षक एवं राजनीतिक विश्लेषक है)

दफ्तरों में देर से आना बर्दाश्त नहीं : योगी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में दूसरी बार मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने के बाद योगी आदित्यनाथ काफी सख्ती के मूड में हैं। योगी आदित्यनाथ ने आज मंत्रियों को लेकर बड़ा निर्देश दिया है। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि जिलों के भ्रमण के दौरान होटल के बजाय मंत्री गेस्ट हाउस में ही ठहरें। इसके साथ ही उन्होंने यह भी कह दिया कि आवश्यक स्टाफ के साथ ही भ्रमण पड़ जाए, अत्यधिक तामझाम को प्रदर्शित ना करें। माना जा रहा है कि योगी के इस बड़े कदम के बाद राज्य में फिजूलखर्ची पर रोक लगेगी। योगी ने मंत्रियों को यह भी निर्देश दिया है कि परिवार के सदस्यों को अपना निजी सचिव नियुक्त ना करें तथा कामकाज में उन्हें दखल देने से दूर रखें। योगी आदित्यनाथ दूसरी बार सत्ता संभालने के बाद सरकार व मंत्रियों की छवि को लेकर खासी सतर्कता बरत रहे हैं। इससे पहले योगी आदित्यनाथ ने अधिकारियों को लेकर भी सख्त निर्देश दिए हैं। योगी आदित्यनाथ ने सरकारी दफ्तरों में अधिकारियों तथा कर्मचारियों के देर से पहुंचने पर उनके खिलाफ कठोर कार्रवाई के निर्देश तक दे चुके हैं। राज्य सरकार के एक प्रवक्ता ने बताया कि मुख्यमंत्री ने यहां वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक में कहा सरकारी कार्यालयों में हर अधिकारी और कर्मचारी की समय से उपस्थिति सुनिश्चित की जाए। लेट लतीफी कतई स्वीकार नहीं

की जाएगी। वरिष्ठ अधिकारी कार्यालयों का लगातार औचक निरीक्षण करें। लापरवाह, लेटलतीफ अधिकारियों और कर्मचारियों के खिलाफ कठोरतम कार्रवाई की जाए। उन्होंने अधिकारियों को हिदायत देते हुए कहा आमजन की शिकायतों का त्वरित संज्ञान लेते हुए निस्तारण किया जाए। हर कार्यालय में सिटीजन चार्टर को प्रभावी रूप से लागू किया जाए। किसी भी कार्यालय में कोई फाइल तीन दिनों से अधिक लंबित न रहे। देरी होने पर जवाबदेही तय की जाए। योगी ने प्रदेश में नियमविरुद्ध संचालित अथवा अधोमानक वाले नर्सिंग क लेजों को चिह्नित कर उनके संचालकों के खिलाफ मामला दर्ज कर कठोरतम कार्रवाई के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि बिना मान्यता के क लेज संचालन युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ करना है, ऐसी हर जानकारी अथवा शिकायत को पूरी गंभीरता से लेते हुए तत्परता से कार्रवाई की जाए। मुख्यमंत्री ने गेहूं की सरकारी खरीद को बेहतर बनाने के लिए क्रय केंद्रों का निरीक्षण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि हर किसान को न्यूनतम समर्थन मूल्य का लाभ मिले, हर हाल में किसान को उसके गेहूं का भुगतान तय समय–सीमा के भीतर हो जाना चाहिए। योगी ने सीमावर्ती कुछ राज्यों में कोविड के नये मामलों में बढोतरी का जिक्र करते हुए कहा कि ऐसे में सरहदी जिलों में विशेष सतर्कता बरती जाए।

जलियांवाला बाग की आज १०३वीं बरसी, PM मोदी ने नरसंहार के पीड़ितों को श्रद्धांजलि दी

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने १९१९ के जलियांवाला बाघ नरसंहार में जान गंवाने वाले लोगों को बुधवार को श्रद्धांजलि दी। उन्होंने कहा कि इन शहीदों का अद्वितीय साहस और बलिदान आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करता रहेगा। ब्रिटिश बलों ने र लेट एक्ट के खिलाफ शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे सैकड़ों लोगों पर अकारण गोलीबारी कर दी थी, जिसमें सैड़कों लोग मारे गए थे। यह भारत में ब्रिटिश हुकूमत की सबसे क्रूर कार्रवाई में से एक था। रॉलेट एक्ट ब्रिटिश हुकूमत को दमनकारी शक्तियां प्रदान करता था। मोदी ने ट्विटर पर लिखा, "१९१९ में आज ही के दिन जलियांवाला बाग में शहीद होने वाले लोगों को श्रद्धांजलि। उनका अद्वितीय साहस और बलिदान आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करता रहेगा।" प्रधानमंत्री ने कहा, "पिछले साल जलियांवाला बाग स्मारक के पुनर्निर्मित परिसर के उद्घाटन के मौके पर दिया गया अपना भाषण साझा कर रहा हूं।

मृतकों के परिजनों को पांच–पांच लाख की सहायता राशि देने का आदेश

रांची। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने देवघर स्थित त्रिकुट पर्वत पर स्थित रोपवे में रविवार को हुए हादसे और लोहरदगा में रामनवमी के जुलूस पर हुए हमले में मृतकों के परिजनों को पांच–पांच लाख रुपये की सहायता राशि देने और घायलों के निशुल्क इलाज की घोषणा की। आधिकारिक प्रवक्ता ने बताया कि साहिबगंज से आज शाम वापस लौटे मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने अपने आवास पर देवघर में त्रिकूट पर्वत पर हुई रोपवे दुर्घटना के संबंध में उच्चस्तरीय बैठक की जिसमें इस आशय की उन्होंने घोषणा की। बैठक में त्रिकूट पर्वत रोप–वे हादसे की जांच के लिए उच्चस्तरीय जांच समिति गठित करने तथा गठित समिति में रोप–वे से संबंधित विशेषज्ञों को भी शामिल किए जाने का निर्देश मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को दिया। इस दौरान रोप–वे हादसे को लेकर प्राथमिकी दर्ज किए जाने का भी निर्देश दिया गया। बाद में मुख्यमंत्री ने स्वयं ट्वीट कर भी इन निर्णयों की जानकारी दी। इससे पूर्वदेवघर में दस अप्रैल की शाम त्रिकुट पर्वत पर पर्यटकों के लिए

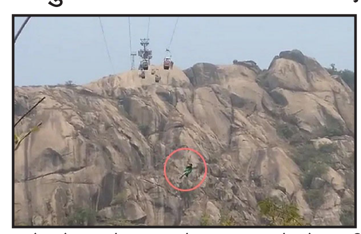

बने रोप–वे की केबल कारों में हुई टक्कर के बाद १५०० से २००० फीट की उंचाई पर २५ केबल कारों में फंसे ४८ लोगों में से ४६ को बचा लिया। इस हादसे में तीन लोगों की मौत हो गयी जबकि १२ अन्य घायल हो गये जिनमें से दो की मौत हेलीकॉप्टर से बचाये जाने के दौरान नीचे गिर जाने से हुई।

मसाज पार्लर से एक २७ साल की लड़की को सेक्स रैकेट से बचाया

नयी दिल्ली। उत्तरी दिल्ली के एक मसाज पार्लर से एक २७ साल की लड़की को सेक्स रैकेट से बचाया गया है। दिल्ली महिला आयोग और दिल्ली पुलिस ने इस लड़की को बचाया है। अधिकारियों द्वारा मंगलवार को दी गई जानकारी के अनुसार, सोमवार को एक मसाज पार्लर के अंदर सेक्स रैकेट चल रहा था और इसकी शिकायत आयोग को मिली थी। शिकायत में २७ साल की लड़की के बलात्कार का भी जिक्र किया गया। डीसीडब्ल्यू ने शिकायत मिलने के बाद, आयोग की टीम दिल्ली पुलिस के साथ मसाज सेंटर पहुंची और महिला को बचाया गया। महिला ने आयोग को बताया कि वह काम की तलाश में गेटवे मसाज पार्लर नीतिका ट वर, आजादपुर गई थी। वहां पहुंचने के बाद महिला को नशीला पदार्थ पिलाया गया और बेहाश हो गई। महिला को बेहोशी के हालत में एक कमरे में ले जाया गया जहां बिना कपड़े के दो लोग मौजुद थे। महिला ने बताया कि वहां उसके साथ बलात्कार करने की कोशिश की गई। घटना पर संज्ञान लेते हुए डीसीडब्ल्यू अध्यक्ष स्वाति मालीवाल ने दिल्ली पुलिस को नोटिस जारी कर एफआईआर दर्ज और जांच की रिपोर्ट मांगी है।

अद्भुत पुल : जहाँ कुत्ते करते है आत्महत्या

अमरेन्द्र सहाय अमर तनाव, डिप्रेशन और इसके बाद आत्महत्या. दुनिया में अगर कोई अदृश्य महमारी धीरे–धीरे लोगों को चपेट में ले रही है, तो उसमें ये शुमार है. अब इंसानों की आत्महत्या लेते हैं. क्या आपने कभी जानवरों द्वारा आत्महत्या करने के बारे में सुना है? अगर नहीं तो आज हम आपको एक ऐसी अजीबोगरीब जगह के बारे में बताएंगे जहां जाकर कुत्ते आत्महत्या कर लेते जाना जाता है. ब्रिज की ऊंचाई ५० फीट है. कहा जाता है कि इसपर जब भी कोई कुत्ता टहलने के लिए आता है, खुद ब खुद ही पुल से छलांग लगा देता है. यही कारण है कि इस पुल को श्डाग्स सुसाइड देखते हुए इससे जुड़ा एक नोटिस भी लगा दिया गया है जिससे आने–जाने वालों को पता चल सके. इस पुल का निर्माण वर्ष१९५०में हुआ था. लोग बताते हैं कि जब से यह पुल बना, तब से ही इस तरह की कुछ लोगों का मानना है कि इस जगह पर भूत–प्रेतों से जुड़ी नकारात्मक शक्तियां हैं तो कुछ लोग बताते हैं कि कुत्तों के अंदर भूत आ जाता है और वे खुद अपनी जान लेने के लिए पुल से कूद जाते हैं.

की वजहें तो ढूंढी भी जा सकती हैं, लेकिन जानवर अगर खुद पुल से छलांग लगाकर खुदकुशी कर लें, तो इसे क्या माना जाए? ऐसा ही एक रहस्य समेटे है स्कॉटलैंड का एक पुल, जहां आते ही कुत्ते संदिग्ध तरीके से आत्महत्या कर हैं. स्कॉटलैंड में एक ऐसा पुल है जहां से छलांग लगाकर कुत्ते खुद अपनी जान दे देते हैं. इस पुल का नाम है ओवरटांन ब्रिज यह बात सुनने में अजीब लग सकती है लेकिन स्कॉटलैंड के इस पुल को कुत्तों की आत्महत्या के लिए ही ब्रिज कानाम दिया गया है. अब तक सैकड़ों कुत्तों ने इस पुल से नीचे छलांग लगाई है जिनमें से ५० की मौत हो गई. हालांकि इस पुल का क्या रहस्य है, किसी को पता नहीं चल पाया है स्थानीय लोग बताते हैं, कुत्तों की आत्महत्या को घटनाएं देखी जाती हैं. इतना ही नहीं, लोगों का कहना है कि एक बार तो एक शख्स ने अपने बेटे को पुल से नीचे फेंक दिया और खुद भी आत्महत्याकरने की कोशिश की वहीं इसे लेकर तरह–तरह के किस्से–कहानियां कही जाती हैं. जिन ओनर्स के ड ग्स यहां से नीचे कूदे, उनका भी यही मानना है कि यहां कुछ तो अजीब है जिसकी वजह से कुत्ते नीचे कूद जाते हैं. अब सच्चाई चाहे जो हो, आज भी यह पुल एक पहेली बनकर लोगों के आगे खड़ा है।

युवाओंऔर महिलाओं को बाल शोषण के विरुद्ध किया जा रहा जागरूक

लखनऊ। अप्रैल कैम्पेन' के अंतर्गत चाइल्डलाइन लखनऊ द्वारा इस माह की शुरुवात से ही स्कूलों, मलिन बस्तियों व ग्राम स्तर पर बाल शोषण के विरुद्ध जागरूक किया जा रहा है । इसी क्रम में आज दिनांक १३.०४.२०२२ को कबाड़ी बस्ती, निकट बाबा हॉस्पिटल , चिनहट में बच्चों , वयस्क को बाल शोषण के विरुद्ध जागरूक किया गया । टीम सदस्य नवीन कुमार ने बताया कि बच्चे के निजी अंगों को छूना, कपड़े उतरवाना, लैंगिक छवियां लेना, वेबकैम के सामने लैंगिक ृत्य करवाना, यौन कृत्यों का प्रदर्शन करना, अश्लील साहित्य दिखाना बाल लैंगिक शोषण हैं, इस प्रकार के ृत्य बच्चों के साथ करता है तो उसकी सूचना १०९८ व संबन्धित पुलिस स्टेशन पर दें । चाइल्डलाइन टीम सदस्यों ने सभी को टोल फ्री न. १०९८ की

कार्यप्रणाली के बारे में विस्तार से जानकारी दी और अपील भी कि बच्चों से संबन्धित किसी भी प्रकार की समस्या हो तो १०९८ पर सूचना अवश्य दें, जिससे मुसीबत में फंसे बच्चे की तत्काल मदद की जा सकें । वहीं दूसरी ओर आलमबाग बस टर्मिनल चाइल्डलाइन द्वारा पूर्व माध्यमिक विद्यालय भदरुक व क्रांति विद्या मंदिर किला मोहम्मदी नगर लखनऊ में गोष्ठी का आयोजन किया गया । चाइल्डलाइन टीम द्वारा बच्चों को कोमल मूवी दिखाई गयी । केंद्र समन्वयक ृष्ण प्रताप शर्मा ने बाल यौन शोषण के मूल कारण बताए और इसे रोकने के बारे में जानकारी दी । चाइल्डलाइन १०९८ बच्चों की किस प्रकार मदद करती उस पर भी प्रकाश डाला । टीम सदस्य ललित यादव ने सुरक्षित व असुरक्षित स्पर्श के बारे में जानकारी दी साथ ही सभी से अपील भी की अगर कोई व्यक्ति किसी बच्चे को असुरक्षित स्पर्श करता है तो उसी सूचना पुलिस व चाइल्डलाइन १०९८ को अवश्य दे जिससे उत्पीड़क के विरुद्ध कानूनी कार्यवाही की जा सकें । कार्यक्रम में विद्यालय की प्रधानाचर्या नीलम पटेल, अध्यापिका सुप्रिया पटेल, शिवानी वर्मा, रतिया सूरी, विद्या मंदिर के प्रधानाचार्य अरविंद किशोर यादव, अध्यापक इंद्रा जोशी, मधुबाला सिंह, शालू, शब्रिता, मधु श्रीवास्तव चाइल्डलाइन टीम से सरिता विश्वकर्मा, विजय पाठक, शिवम वर्मा, इंटर्न राईदा, वर्तिका, निकिता मौजूद रहे ।

'तुम १०० करोड़ हो, १५ मिनट के लिए पुलिस हटा लो...' भड़काऊ भाषण मामले में बरी हुए अकबरुद्दीन ओवैसी

नयी दिल्ली। भड़काऊ भाषणों के चलते सुर्खियों में रहने वाले एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी के भाई अकबरुद्दीन ओवैसी को कोर्ट ने बड़ी राहत दी है। हैदराबाद की स्पेशल कोर्ट ने अकबरुद्दीन ओवैसी को भड़काऊ भाषण से जुड़े दो मामलों में बरी कर दिया है। अकबरुद्दीन ओवैसी के खिलाफ भड़काऊ भाषण देने को लेकर भारतीय दंड संहिता आइपीसी की विभिन्न धाराओं के तहत मामले दर्ज किए गए थे। हैदराबाद की स्पेशल कोर्ट ने मंगलवार को मामले की सुनवाई पूरी कर ली थी और बुधवार को फैसला सुनाने की तारीख तय की थी। पर्याप्त सबूत नहीं होने की वजह से स्पेशल कोर्ट ने अकबरुद्दीन ओवैसी को बरी कर दिया। इसके साथ ही स्पेशल कोर्ट ने अकबरुद्दीन ओवैसी को हिदायत दी की वह कोई भी विवादित बयान न दें। अकबरुद्दीन ओवैसी के खिलाफ साल २०१२ में निजामाबाद और निरमल में कथित तौर पर भड़काऊ भाषण देने का मामला दर्ज हुआ था। अकबरुद्दीन ओवैसी के खिलाफ आईपीसी की विभिन्न धाराओं के तहत मामल दर्ज किया गया था। अकबरुद्दीन ओवैसी पर सार्वजनिक भाषण में किसी विशेष समुदाय के खिलाफ आपत्तिजनक और भड़काऊ भाषा का इस्तेमाल करने का आरोप लगा था। अपराध जांच विभाग (सीआईडी) ने निजामाबाद मामले की जांच की थी और साल २०१६ में आरोप

पत्र दायर किया था। वहीं निर्मल टाउन मामले की जांच जिला पुलिस ने की थी और उसी साल आरोप पत्र दाखिल कर दिया था। निजामाबाद मामले में कुल ४१ गवाहों, जबकि निर्मल टाउन मामले में ३३ लोगों से पूछताछ की गई थी। साल २०१२ में अकबरुद्दीन ओवैसी का भड़काऊ भाषण देते हुए एक वीडियो सामने आया था। जिसमें उन्हें यह कहते हुए सुना गया था कि हम २५ करोड़ हैं और तुम १०० करोड़... ठीक है तुम तो हमसे इतने ज्यादा हो, १५ मिनट के लिए पुलिस को हटा लो हम बता देंगे कि कौन ताकतवर है।

उत्तर प्रदेश के ७४ सीएचसी में बढ़ेंगे ५०-५० बेड

लखनऊ। यूपी में ७४ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों (सीएचसी) में ५०—५० बेड और बढ़ाए जाएंगे। ७४ जिलों में एक—एक सीएचसी पर बेड की संख्या में बढ़ोतरी की जाएगी। अब इन सीएचसी में बेड की संख्या बढ़कर सौ—सौ हो जाएगी। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) द्वारा इन सीएचसी पर बेड बढ़ाने के लिए नई बिल्डिंग का जल्द निर्माण कराया जाएगा। ताकि कोरोना के मरीजों की संख्या बढने पर बेड की कमी न हो।इमरजेंसी कोविड रिस्पांस प्लान (ईसीआरपी) के अंतर्गत बेड की संख्या में बढ़ोतरी की जा रही है। कोरोना की संभावित तीसरी लहर को देखते हुए पहले ही सीएचसी में २० बेड की संख्या बढ़ाकर ५० की गई थी। यानी ३०—३० बेड बढ़े थे। अब फिर ५०—५० बेड की बढ़ोतरी कर इसे सौ—सौ बेड किया जाएगा। फिलहाल कोरोना के एक्सई वैरिएंट को देखते हुए अभी से पूरी सावधानी बरती जा रही है।भविष्य में किसी भी स्थिति से निपटने के लिए स्वास्थ्य विभाग पूरी तैयारी में जुटा है। ७४ जिलों में एक—एक सीएचसी को सौ—सौ बेड के अस्पताल में तब्दील किए जाने से लोगों को इलाज के लिए चक्कर नहीं लगाना होगा। उन्हें जरूरत पर आसानी से बेड मिल सकेंगे। वहीं सभी ८५५ सीएचसी को पहले ही ४५०० आक्सीजन कंसंट्रेटर उपलब्ध कराए जा चुके हैं। इलाज की पुख्ता व्यवस्था की जा रही है। लोगों को अच्छी स्वास्थ्य सुविधाएं देने पर जोर दिया जा रहा है।

पीएम मोदी से मिले सीएम और डिप्टी सीएम

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के विधानसभा चुनाव २०२२ में भारतीय जनता पार्टी की प्रचंड जीत के एक महीने के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साथ डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य और डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक सोमवार दोपहर बाद से नई दिल्ली के दौरे पर हैं। दिल्ली में इनकी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ ही भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा तथा गृह मंत्री अमित शाह से भी भेंट होगी। माना जा रहा है भाजपा के शीर्ष नेतृत्व के साथ योगी आदित्यनाथ, केशव प्रसाद मौर्य तथा ब्रजेश पाठक की मुलाकात के दौरान भाजपा उत्तर प्रदेश के अध्यक्ष के नाम पर भी मुहर लगेगी। इसके साथ ही उत्तर प्रदेश में अगले दो महीने के बाद की योजना भी तैयार की जाएगी।उत्तर प्रदेश में भाजपा की जीत का एक महीना पूरा होने पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साथ उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य व ब्रजेश पाठक नई दिल्ली पहुंचे हैं। इनकी आज शाम को भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश (जेपी) नड्डा से उनके आवास पर भेंट होगी। इस दौरान गृह मंत्री अमित शाह, भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री बीएल संतोष तथा भाजपा उत्तर प्रदेश के महामंत्री संगठन सुनील बंसल भी मौजूद रहेंगे। इस बैठक में उत्तर प्रदेश भाजपा के नए अध्यक्ष के नाम पर भी चर्चा होगी।भाजपा के अध्यक्ष से इसके साथ ही उत्तर प्रदेश की सरकार के कामकाज तथा संकल्प पत्र के वरीयता वाले काम पर भी चर्चा होगी। प्राथमिकता वाले कामों को शीर्ष वरीयता पर रखने के साथ उन सभी के क्रियान्वयन पर भी चर्चा होनी है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की देर शाम को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात होनी है। पीएम मोदी से डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य तथा ब्रजेश पाठक भी मिलेंगे। सीएम योगी आदित्यनाथ दोनों डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य तथा ब्रजेश पाठक के साथ राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति रामनाथ कोविन्द से मिलेंगे।प्रदेश में भाजपा की सरकार बनने के बाद नई दिल्ली में सरकार बनाने के बाद दिल्ली में पहली बड़ी बैठक होगी। माना जा रहा है कि २०२४ चुनाव के मद्देनजर भाजपा की यह बैठक महत्वपूर्ण है। सीएम योगी आदित्यनाथ आज ही गोरखपुर से लखनऊ पहुंचे थे, जबकि केशव प्रसाद मौर्य प्रयागराज से आए थे। डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक भी रविवार शाम को ही लखनऊ आए थे।

गाय को हटाने पर युवक को पड़ा भारी

लखनऊ। मोहनलालगंज थाना क्षेत्र के मंसब खेड़ा गांव में किराए के वाहन में गेहूं लेकर जा रहे व्यक्ति को रास्ते में बंधी गाय हटवाना महंगा पड़ गया। गाय मालिक पिता पुत्र ने मिलकर व्यक्ति की जमकर धुनाई कर दी। पीड़ित ने पुलिस में तहरीर देकर शिकायत दर्ज करवाई है मनसब खेड़ा गांव निवासी मुकेश यादव पुत्र रामप्रकाश ने बताया कि मै सोमवार को किराए के डाला से गेहूं लेकर जा रहा था तभी रास्ते में बंधे गाय बछड़े देखकर रुकना पड़ा, जब उनको हटाने के लिए कहा तो गांव के ही शिवरतन और रामदास यादव गाली गलौज करने लगे और मना करने पर मारपीट करने लगे मुझे पिटता देखकर बचाने दौड़े मेरे भाई अनुज और मां को भी उन लोगों ने ईंट से हमला कर घायल कर दिया। जिससे उनकी बाई आंख बुरी तरह से चोटिल हो गई। और जान से मारने की धमकी देकर चले गए। इंस्पेक्टर अखिलेश मिश्रा ने बताया कि पीड़ित की तहरीर पर मामला दर्ज कर आगे की कार्यवाही शुरू कर दी है।

सुबह साढ़े सात से साढ़े बारह बजे तक खुलेंगे स्कूल

लखनऊ। भीषण गर्मी को देखते हुए जिला प्रशासन ने स्कूली बच्चों को राहत देने की दिशा में निर्देश जारी किए हैं। इसके तहत सभी परिषदीय, अशासकीय सहायता प्राप्त व निजी स्कूलों को अपने समय में बदलाव करना होगा। मौजूदा समय में अधिकांश स्कूलों को समय सुबह साढ़े सात बजे से दोपहर १ :३० तक का है। जिलाधिकारी अभिषेक प्रकाश के आदेश के बाद अब स्कूलों का समय सुबह साढ़े सात बजे से दोपहर साढ़े बारह बजे तक होगा।बीते कई दिनों से भीषण गर्मी व लू का प्रकोप जारी है। इसके चलते स्कूली बच्चों व अभिभावकों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। इसे गंभीरता से लेते हुए जिलाधिकारी ने सभी बोर्डों के तहत संचालित कक्षा एक से आठ तक की कक्षाओं का समय ग्रीष्मकालीन अवकाश तक एक घंटे कम कर दिया है। मंगलवार से सभी स्कूलों की एक से कक्षा आठ तक की कक्षाएं सुबह साढ़े सात बजे से दोपहर बारह बजे तक ही चलेंगी। उत्तर प्रदेश के विभिन्न स्थानों में लू के साथ तापमान ४० डिग्री पार पहुंच चुका है। यूपी में १५ अप्रैल तक लू की चेतावनी जारी की गई है। मौसम विभाग के निदेशक के अनुसार पछुआ हवाओं में पश्चिमी विक्षोभ का असर देखा गया है। वेस्ट यूपी के कुछ स्थानों पर भीषण लू की तीव्रता कम हो सकती है, लेकिन सामान्य लू की स्थिति १५ अप्रैल तक बनी रहेगी। इसके साथ ही, १३ अप्रैल तक पूर्वी उत्तर प्रदेश के कुछ स्थानों पर लू की चेतावनी जारी की गई है।

लोकतंत्र को किया जा रहा कमजोर : अखिलेश

लखनऊ। समाजवादी पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव ने मंगलवार को सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर स्थानीय प्राधिकारी निर्वाचन क्षेत्र से विधान परिषद के चुनाव में मनमानी और धांधली का आरोप लगाया। उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश ने कहा कि भाजपा ने लोकतंत्र को कमजोर करने का काम किया है। मंगलवार को सपा मुख्यालय से जारी बयान के अनुसार यादव ने कहा कि स्थानीय प्राधिकारी निर्वाचन क्षेत्र के चुनाव में भाजपा की मनमानी और धांधली सभी हदें पार कर गईं। उन्होंने कहा कि भाजपा ने लोकतंत्र को कमजोर करने का काम किया है और इसके लिए भाजपा को इतिहास कभी माफ नहीं करेगा। अखिलेश यादव ने आरोप लगाया कि दूसरों को जातिवादी बताने वाली भाजपा की ये सच्चाई है कि एमएलसी (विधानपरिषद सदस्य) चुनाव की ३६ सीट में से कुल १८ पर मुख्यमंत्री जी के स्वजातीय लोग जीते हैं। उन्होंने सवाल उठाया कि एससी–एसटी (अनुसूचित जाति व अनुसूचित जनजाति) तथा ओबीसी (अन्य पिछड़ा वर्ग) को दरकिनार कर ये कैसा 'सबका साथ, सबका विकास' है। यादव ने कहा कि सामाजिक न्याय को लोकतंत्र के जरिये मजबूत करने की लड़ाई समाजवादी लड़ते रहेंगे। सपा प्रमुख ने दावा किया कि भाजपा

को संविधान, लोकतंत्र और निष्पक्ष चुनावों की प्रक्रिया में जरा भी विश्वास नहीं है। उन्होंने कहा कि भाजपा धन–बल और छल से येन–केन–प्रकारेण सत्ता में बने रहने के लिए संवैधानिक संस्थाओं को कमजोर करने के साथ ही लोकतंत्र की मर्यादाओं को भी तार–तार करने में लगी है। अखिलेश ने कहा कि पंचायत चुनाव के बाद, आम विधानसभा चुनाव २०२२ और अब स्थानीय प्राधिकारी निर्वाचन क्षेत्र से एमएलसी चुनाव में भाजपा ने लोकतांत्रिक मर्यादाओं को कुचलने का ही काम किया है। सपा प्रमुख ने यह भी कहा कि समाजवादी पार्टी ने पहले ही भाजपा की साजिशों के बारे में मुख्य निर्वाचन आयुक्त को पत्र लिखकर सचेत कर दिया था कि भाजपा एमएलसी चुनाव जीतने के लिए किसी भी हद तक जा सकती है। उन्होंने कहा कि यह लोकतंत्र और संविधान दोनो का संक्रमण काल है। उल्लेखनीय है कि उत्तर प्रदेश विधानपरिषद की स्थानीय प्राधिकारी क्षेत्र की २७ सीट के लिए चुनाव की मतगणना मंगलवार को हुई जिसमें भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने २४ सीट जीत लीं। मुख्य विपक्षी दल समाजवादी पार्टी (सपा) का खाता नहीं खुल सका। इसके पहले भाजपा ने नामांकन प्रक्रिया के समय ही नौ सीट पर निर्विरोध जीत हासिल कर ली थी। इस चुनाव में दो सीट निर्दलीय तथा एक सीट जनसत्ता दल लोकतांत्रिक ने जीती है।

यूपी में अब वक्फ संपत्तियों का उपयोग जनहित के कार्यों में होगा

लखनऊ । उत्तर प्रदेश में वक्फ संपत्तियों का उपयोग अब जनहित के कार्यों में किया जाएगा। प्रदेश के अल्पसंख्यक कल्याण, मुस्लिम वक्फ एवं हज मंत्री धर्मपाल सिंह ने कहा कि वक्फ संपत्तियों का उपयोग मदरसों तथा अस्पताल बनाने आदि में किया जाए। उन्होंने कहा कि वक्फ की संपत्तियों का नियमानुसार रखरखाव सुनिश्चित किया जाए। अल्पसंख्यकों के सर्वांगीण विकास के लिए मदरसा शिक्षा को बेहतर बनाते हुए मदरसों का आधुनिकीकरण किया जाए। अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री धर्मपाल सिंह ने बुधवार को विधान भवन के तिलक हाल में आयोजित विभागीय बैठक में कहा कि अल्पसंख्यक वर्ग को सशक्त बनाने के लिए उन्हें सरकार की

योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ दिया जाए। मंत्री ने कहा कि अल्पसंख्यक बहुल स्थानों पर मूलभूत सुविधाओं को विकसित किया जाए।उन्होंने कहा कि सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबके प्रयास के द्वारा ही समाज और राष्ट्र को आगे बढ़ाया जा सकता है। अल्पसंख्यक आयोग के सदस्यों ने मंत्री को आयोग की व्यावहारिक समस्याओं से अवगत कराया जिसका मंत्री ने शीघ्र ही निराकरण का आश्वासन दिया। अल्पसंख्यक राज्यमंत्री दानिश आजाद अंसारी ने कहा कि इस तरह की बैठक से विभाग एवं आयोग में एक नई ऊर्जा व स्फूर्ति का संचार होता है। सामूहिक उत्तरदायित्व की भावना से कार्य करते हुए विभाग अपने उद्देश्यों की पूर्ति में सफल होगा। उन्होंने कहा कि मदरसों में पठन–पाठन नियमित रूप से एवं गुणवत्तापरक हो और अल्पसंख्यक वर्ग के विद्यार्थियों के लिए करियर काउंसलिंग के कार्यक्रम चलाए जाएं।प्रमुख सचिव हिमांशु कुमार ने विभाग के कार्यों, दायित्वों एवं आगामी कार्ययोजनाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी। बैठक में अल्पसंख्यक कल्याण विभाग की निदेशक इंदुमती, विशेष सचिव ब्रजेश उपाध्याय, विशेष सचिव जेपी सिंह, अल्पसंख्यक आयोग के अध्यक्ष अशफाक सैफी, मदरसा शिक्षा परिषद के अध्यक्ष डा. इफ्तिखार अहमद जावेद सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

सात फेरों के बंधन में कल बंध जाएंगे आलिया-रणबीर, भाभी आलिया को विश करने पहुंची करीना कपूर

मुंबई। बॉलीवुड में पिछले कई दिनों से सबसे ज्यादा चर्चित रही जोड़ी आलिया भट्ट और रणबीर कपूर १४ अप्रैल यानि कल शादी के बंधन में बंधने वाले हैं। जी हां, ये कपल अब आधिकारिक

तौर पर एक दूसरे का हो जाएगा। इस बात पर अब रणबीर कपूर की मां नीतू कपूर और बहन रिद्धिमा कपूर ने कंफर्म कर दिया है कि शादी कल वास्तु में होने वाली है। इनकी शादी के फंक्शन की रस्में भी चालू हो चुकी हैं। आज मेहंदी सेरमनी चल रही है, जिसमें कई मेहमान पहुंचे हैं। आलिया और रणबीर के मेहंदी फंक्शन में परिवार के लोग नीतू कपूर अपनी बेटी के साथ पहुंची तो आलिया की मां सोनी राजदान और बहन शाहीन भट्ट भी साथ–साथ पहुंची। आलिया के पिता मेहश भट्ट और बड़ी बहन पूजा भट्ट भी रणबीर के घर वास्तु पहुंचे। इसके अलावा रणबीर की बहन करीना कपूर खान और करिश्मा कपूर खास अंदाज में अपनी भाभी आलिया को विश करने वास्तु पहुंची हैं। कपल के शादी फंक्शन में मेहमानों का आना भी शुरू हो चुका है। आलिया–रणबीर की शादी रस्मों के साथ ही उन्हें उपहार मिलने का सिलसिला भी शुरू हो चुका है। सोशल मीडिया पर चल रही खबरों की माने तो सूरत के एक जौहरी ने अपने फेवरेट स्टार्स के लिए शादी का एक अनमोल तोहफा भेजा है। सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हो रहा है। एक स्पेशल गुलदस्ता लेकर आए शख्स का दावा है कि ये गुलदस्ता सोने से बना हुआ है। इस गुलदस्ता की फूल–पत्तियां गोल्ड फाइल से बनाई गई हैं।

पकड़ा गया सोनम कपूर के घर पर २ करोड़ की चोरी करने वाला, अपना बनकर इस शख्स ने की डकैती

मुंबई। कुछ दिनों पहले अनिल कपूर की बेटी सोनम कपूर के घर पर दो करोड़ से ज्यादा नगद और गेहने चोरी होने का मामला सामने आया था। अब इस मामले में पुलिस ने एक्शन लिया है। नई दिल्ली के अमृता शेरगिल मार्ग स्थित एक्ट्रेस सोनम कपूर के आवास से २.४ करोड़ रुपये की नकदी और आभूषण चोरी

करने के आरोप में एक नर्स और उसके पति को गिरफ्तार किया गया है। नर्स, अपर्णा रूथ विल्सन सोनम कपूर की सास की देखभाल करती थी, जबकि उनके पति नरेश कुमार सागर, शकरपुर में एक निजी फर्म में एकाउंटेंट के रूप में काम करते थे। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा, दिल्ली पुलिस की अपराध शाखा ने विशेष स्टाफ शाखा की एक टीम के साथ सरिता विहार में छापेमारी की। उन्होंने विल्सन और उनके पति को गिरफ्तार कर लिया। हालांकि अभी तक चोरी के जेवरात और नकदी बरामद नहीं हो पाई है। सोनम कपूर के घर पर डकैती ११ फरवरी को हुई थी और २३ फरवरी को तुगलक रोड पुलिस स्टेशन में उनके गृह प्रबंधक द्वारा शिकायत दर्ज कराने के बाद मामला दर्ज किया गया था। कथित तौर पर, अभिनेता के आवास पर २० से अधिक लोग कार्यरत हैं। आगे की जांच चल रही है और अभिनेता के घर पर काम करने वाले ज्यादातर लोगों से पहले ही पूछताछ की जा चुकी है। मामले को जांच के लिए नई दिल्ली जिले की स्पेशल स्टाफ ब्रांच को ट्रांसफर कर दिया गया है।

हमारे अन्य प्रतिनिधि

lat; cktibl
lhrkij
ek-9935160370

प्रियंका त्रिपाठी
नई दिल्ली

विधिक सलाहकार
lj'k ukjk;.k feJ

क्षेत्रीय सम्पादक
lkjHk dekj] fcgkj
ek-09386075289

मो० अरशद
C;jk phQ
eऊ

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक व सम्पादक आरती पाण्डेय द्वारा सांई आफसेट प्रिन्टर्स, 40 भवन भातखण्डे संगीत महाविद्यालय के पीछे, कैसरब,ग लखनऊ से छपवाकर एमआईजी 2/379 रश्मिखंड शारदानगर आशियाना लखनऊ उ0प्र0 से प्रकाशित।

आर.एन.आई UPHIN/2010/32566

सम्पादक
आरती पाण्डेय
मो.9415087228
9889745884. 9807059191. 9026560178
Email-
adbhutsamachar@yahoo.in
adbhut_samachar@rediffmail.com

सभी विवादों का न्यायक्षेत्र लखनऊ होगा।

समाचार पत्र में छपी समस्त प्रकार की खबरों एवं लेखों का स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक व सम्पादक आरती पाण्डेय से किसी भी प्रकार का कोई लेना देना नहीं है। समाचार पत्र में छपी खबर एवं लेख पत्रकारों के अपने निजी विचार हैं। समाचार पत्र से जुड़े समस्त पत्रकारों के पद अवैतनिक हैं। और वह सब स्वतंत्र पत्रकार हैं। प्रकाशक/सम्पादक